हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 10.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 253 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

झारखंड कैबिनेट की बैठक 15 को

रांची : झारखंड में विकास योजनाओं और प्रशासनिक निर्णयों को गति देने के लिए 15 अप्रैल 2026 (बुधवार) को राज्य मंत्रिपरिषद् की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी कर दी गई है। यह बैठक राजधानी रांची के धुर्वा स्थित झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) के मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। कैबिनेट की कार्यवाही अपराह्न 03 :00 बजे से शुरू होगी, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे। हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें राज्य की नई जन-कल्याणकारी योजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर कैबिनेट की स्वीकृति मिल सकती है। विभिन्न विभागों द्वारा भेजे गए महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर इस दौरान गहन चर्चा होने की संभावना है। सभी विभागों के सचिवों को बैठक से संबंधित आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिए गए हैं।

पार्थ पवार ने ली राज्यसभा सदस्यता की शपथ

नयी दिल्ली : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पार्थ पवार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में गुरुवार को शपथ ली। उन्हें राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में शपथ दिलाई। इस दौरान सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राकांपा की नेता एवं महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और अन्य नेता मौजूद रहे। 35 वर्षीय पार्थ पवार राकांपा नेता अजीत पवार के पुत्र हैं, जिनका विगत 28 जनवरी को एक विमान हादसे में निधन हो गया था। इससे पहले उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार राज्यसभा सदस्य चुनी गई थीं, लेकिन महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्थ पवार को राज्यसभा के लिए चुना गया।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री जमानत पर रिहा

काठमांडू : पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को पुलिस ने जमानत पर रिहा कर दिया है। काठमांडू पुलिस एसएसपी रमेश थापा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार जमानत पर रिहा करके ओली को उनकी पत्नी राधिका शाक्य और लेखक को उनकी पत्नी यशोदा लेखक के जिम्मे सौंप दिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि ओली की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए जांच प्रक्रिया को जल्द पूरा करना उचित होगा। दोनों नेताओं को पुलिस ने 28 मार्च को गिरफ्तार किया था।

तीन राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

असम में 87 % से अधिक मतदान

केरलम में 75% से अधिक मतदान

पुडुचेरी में 90% से अधिक मतदान

प्रत्यूष नवबिहार डेस्क रिपोर्ट

रांची : असम विधानसभा की सभी 126 सीटों पर गुरुवार को मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 87.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कई मतदान केंद्रों पर समय सीमा समाप्त होने के बाद भी मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं।

राज्य में इस बार मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। चुनाव आयोग के मुताबिक दक्षिण सलमारा मनकाचार जिले में रिकॉर्ड 94.08% वोट पड़े। पश्चिम कार्बी आंगलोंग में सबसे कम 72.94% मतदान दर्ज किया गया। धुबरी में 90.63%, बारपेटा में 91.92% और गोलपारा में 91.34% भारी मतदान हुआ। राजधानी क्षेत्र कामरूप (मेट्रो) में 76.41% वोटिंग हुई।

कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे राज्य में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कुल 28,205 मतदान केंद्रों पर वोट डाले गए। इस चुनाव में कुल 722 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करीब 2.50 करोड़ मतदाताओं ने किया, जिनमें महिलाओं की भागीदारी भी पुरुषों के बराबर रही।

शांतिपूर्ण मतदान के बीच उदलगुड़ी सीट से उम्मीदवार सुरेन दैमरी को लेकर विवाद सामने आया। उनके खिलाफ अपनी ही पार्टी के विरुद्ध बयान देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है।

केरलम की सभी 140 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 85% के लक्ष्य के मुकाबले, राज्य में 75.01% मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। राज्य में चुनाव प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण रही। कोझिकोड में सबसे अधिक 77.63% मतदान हुआ। पथनमथिट्टा जिले में सबसे कम 68.90% वोट पड़े। एनार्कुलम (77.25%) और पलक्कड़ (77.09%) में भी मतदाताओं का उत्साह काफी अधिक रहा।

कुल 126 सीटों (रिपोर्ट के अनुसार) के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। राज्य में 2.71 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या (1.39 करोड़) पुरुषों (1.32 करोड़) से अधिक है। पूरे राज्य में 30,471 पोलिंग बूथ बनाए गए थे। त्रिशूर में एक 62 वर्षीय मतदाता की वोट डालने के तुरंत बाद तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई।

पुडुचेरी में लोकतंत्र का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। केंद्रशासित प्रदेश की सभी 30 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से शुरू हुए मतदान में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 90% मतदान दर्ज किया गया।

पुडुचेरी जिले में 87.47% और कराईकल में 84.13% मतदान हुआ। एनडीए के नेता और मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने सुबह ही अपना वोट डाला। वह लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं।

इस चुनाव में एनडीए (भाजपा के नेतृत्व में) और इंडिया गठबंधन (कांग्रेस के नेतृत्व में) के बीच सीधी टक्कर देखी जा रही है। कुल 294 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 40 महिलाएं शामिल हैं।

मन्नादिपेट विधानसभा क्षेत्र के थिरुकन्नूर मतदान केंद्र पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबर आई, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह ने 15 दिन में ही एक मंत्री को किया बर्खास्त

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने अपने कार्यकाल की शुरूआत के महज पंद्रह दिन के भीतर ही एक मंत्री को पद से हटा दिया है। दरअसल, श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह ने अपनी पत्नी जुनु श्रेष्ठ को स्वास्थ्य बीमा बोर्ड का सदस्य पुनः नियुक्त करने का विवादित फैसला लिया था। इसके अलावा उनकी पृष्ठभूमि भी विवादों में रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के सभापति रवि लामिछाने ने मंत्री साह पर पद की मयार्दा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। इस पर प्रधानमंत्री शाह ने उन्हें आज पदमुक्त कर दिया। साह को केवल 13 दिन पहले ही मंत्री बनाया गया था। इसी मामले में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाने के आरोप में रास्वपा प्रमुख लामिछाने ने स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मंत्री निशा मेहता को भी चेतावनी देने की सिफारिश की थी। इस सिफारिश के आधार पर प्रधानमंत्री शाह ने मंत्री मेहता को भी सचेत कर दिया है।

पीएम मोदी ने बंगाल की धरती से ममता सरकार की विदाई का उद्घोष करते हुए कहा

बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब तय हो चुका है

एजेंसी

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी रणभेरी फूंकते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आसनसोल में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने बंगाल की धरती से ममता सरकार की विदाई का उद्घोष करते हुए कहा कि राज्य में परिवर्तन की लहर अब 'पत्थर की लकीर' बन चुकी है और जनता ने 'डबल इंजन सरकार' लाने का मन बना लिया है।

प्रधानमंत्री ने जनसैलाब को देखते हुए विश्वास जताया कि टीएमसी के कुशासन का अंत निकट है। उन्होंने कहा, पश्चिम बर्धमान का यह उत्साह संकेत है कि पूरे बंगाल ने बदलाव की ठान ली है। टीएमसी के पापों का घड़ा अब लबालब भर चुका है। 4 मई के बाद राज्य में नई सरकार बनेगी और बंगाल विकास के एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश करेगा।

आसनसोल-दुगार्पुर क्षेत्र के औद्योगिक गौरव को याद करते हुए मोदी ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कभी यह क्षेत्र साइकिल, रेल, स्टील और एल्युमिनियम उत्पादन का केंद्र था, लेकिन आज यहाँ से उद्योगों का पलायन हो रहा है। राज्य के संसाधनों पर 'गुंडों और माफियाओं' का कब्जा है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में बाहर भटकना पड़ रहा है। आजादी के समय देश की आय में बंगाल का योगदान 12% था, जो कांग्रेस, वामपंथियों और टीएमसी की नीतियों के कारण लगातार गिरता गया।

बक्सर में पीएम पर हमले की साजिश का पर्दाफाश, मुख्य आरोपी गिरफ़्तार

एजेंसी

बक्सर : बिहार के बक्सर जिले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमले की साजिश रचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य का हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर सिमरी थाना क्षेत्र में की गई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) शुभम आर्य ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान अमन तिवारी के रूप में हुई है, जो सिमरी के आशा पड़री गांव का निवासी है। उस पर आरोप है कि उसने अमेरिका की खुफिया एजेंसी, केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) को प्रस्ताव भेजकर प्रधानमंत्री की हत्या की योजना में सहयोग के बदले बड़ी रकम की मांग की थी।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और बुधवार देर रात छापेमारी कर आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

सीएम नीतीश कुमार आज लेंगे राजयसभा सदस्यता की शपथ

एजेंसी

पटना : बिहार की सियासत में एक बार फिर बड़े खेला की सुगबुगाहट तेज हो गई है। पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता के केंद्र रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्य की राजनीति से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने जा रहे हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक, नीतीश कुमार अगले 48 घंटों में राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ले सकते हैं साथ ही वो 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि नीतीश कुमार के दिल्ली कूच करने के साथ ही बिहार में नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान हो जाएगा। माना जा रहा है कि 10 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नए सीएम के नाम पर अंतिम मुहर लगा सकती है। रेस में वर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे चल रहा है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। शुक्रवार को उनके राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने की संभावना है। नीतीश के इस्तीफे के बाद बीजेपी राज्य में अपनी नई कमान सेट करने की पूरी तैयारी में है।

बिहार की सत्ता में होने वाला यह बदलाव न केवल राज्य की दिशा बदलेगा, बल्कि 2026 के विधानसभा समीकरणों को भी पूरी तरह से प्रभावित करेगा। अब सबकी नजरें दिल्ली और पटना के सियासी गलियारों पर टिकी हैं।

10 दिनों में सामान्य होगी एलपीजी आपूर्ति

सड़क पर सिलेंडर बांटने पर नपेगी एजेंसियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस की किल्लत से जूझ रही जनता के लिए राहत भरी खबर है। राज्य के कैबिनेट मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एलपीजी आपूर्ति की समस्या को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने अधिकारियों और गैस एजेंसियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगले 7 से 10 दिनों के भीतर राज्य में गैस की स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जानी चाहिए।

सड़क पर नहीं, घर तक पहुँचे गैस

गुरुवार को रांची में आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि किसी भी सूरत में गैस सिलेंडर की डिलीवरी सड़कों पर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया यदि कोई एजेंसी सड़क पर सिलेंडर बांटती पकड़ी गई, तो उसका लाइसेंस रद्द करने जैसी सीधी कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं को उनके घर तक समय पर सिलेंडर पहुँचाना एजेंसियों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैकलॉग पर जताई नाराजगी, मांगे जवाब

रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे बड़े शहरों में गैस बुकिंग के लंबे बैकलॉग पर मंत्री ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सवाल किया कि पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद इन जिलों में लंबित डिलीवरी की संख्या इतनी अधिक क्यों है? उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रमुख शहरों में प्राथमिकता के आधार पर पेंडिंग ऑर्डर्स को क्लियर किया जाए। शादी-विवाह और आगामी धार्मिक आयोजनों के दौरान सप्लाई चेन में कोई बाधा न आए।

कालाबाजारी करने वालों की अब खैर नहीं

मंत्री इरफान अंसारी ने साफ किया कि राज्य में गैस की कोई कमी नहीं है, बल्कि समस्या कुप्रबंधन और अनावश्यक भंडारण की है। उन्होंने जिला प्रशासन को कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ छापेमारी करने और सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

आम जनता से संवाद करते हुए मंत्री ने अपील की है कि उपभोक्ता घबराएं नहीं। यदि किसी उपभोक्ता को डिलीवरी में समस्या आती है या कोई एजेंसी गड़बड़ी करती है, तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1967 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

ईरान का सख्त संदेश : अमेरिका सीजफायर या युद्ध में से एक चुनें

एजेंसी

तेहरान : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अमेरिका को अब सीजफायर और युद्ध में से किसी एक विकल्प को चुनना होगा।

अराघची ने कहा कि मौजूदा हालात में दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकतीं। उनके मुताबिक, अगर अमेरिका वास्तव में संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे इसे पूरी तरह लागू करना होगा। वहीं, अगर इजराइल के जरिए सैन्य कार्रवाई जारी रहती है, तो इसे सीजफायर नहीं माना जा सकता।

उन्होंने लेबनान में जारी हिंसा का जिक्र करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर खींचा। अराघची ने कहा कि पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है और अब फैसला अमेरिका को करना है। उनके अनुसार, यह समय है जब अमेरिका को अपने वादों पर खरा उतरना होगा और स्पष्ट रुख अपनाना होगा।

ईरान के विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच घोषित संघर्ष विराम है, दूसरी ओर लेबनान और आसपास के इलाकों में हमले जारी हैं। इससे शांति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

माना जा रहा है कि ईरान का यह बयान अमेरिका पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। साथ ही, यह संदेश भी देने की कोशिश है कि अगर क्षेत्र में हिंसा नहीं रुकी, तो ईरान भी कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी की नजरें अमेरिका के अगले कदम पर टिकी हैं। यह देखना अहम होगा कि वाशिंगटन इस चेतावनी के बाद क्या रुख अपनाता है और क्या इससे क्षेत्र में शांति बहाल हो पाएगी या नहीं।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर नया मोर्चा खोलने के संकेत दिए, नाटो को धमकी

ईरान में युद्धविराम की घोषणा के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा जताते हुए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को धमकी दी है।। ट्रंप ने ईरान युद्ध में साथ नहीं दोने के लिए नाटो की कड़ी आलोचना की है। साथ ही ग्रीनलैंड को हासिल करने की अपनी इच्छा को दोहराया है। ट्रंप की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक कर ईरान युद्ध के दौरान नाटो से सहयोग ना मिलने को लेकर नाराजगी जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बंद कमरे में यह बैठक की थी, जिसके बाद उन्होंने नाटो के प्रति अपनी शिकायत दोहराई। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल की एक पोस्ट में लिखा, जब हमें उनकी जरूरत थी, तब नाटो वहां नहीं था और अगर हमें उनकी दोबारा जरूरत पड़ी तो वे वहां नहीं होंगे। ग्रीनलैंड को याद करो, वह बड़ा, खराब तरीके से चलाया गया, बर्फ का टुकड़ा!!! इस बैठक से पहले जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया तो ट्रंप ने संकेत दिया था कि अगर नाटो देशों ने उनके आह्वान को नजरअंदाज किया तो अमेरिका नाटो से बाहर निकलने पर विचार कर सकता है। ट्रंप के बार-बार आह्वान पर भी यूरोपीय देश इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ नहीं हैं, बल्कि कई नाटो देशों ने अमेरिकी हमलों का विरोध भी किया। जिसके बाद से ट्रंप नाटो पर हमलावर हैं।

www.tezraftarlive.com
Follow as on Email-navbiharjh@gmail.com
रांची संस्करण

नंदनी ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा : हथियार कारतूस व अपाची बाइक बरामद, सात गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव थाना क्षेत्र में चर्चित नंदनी ज्वेलर्स लूट कांड का पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल, 13 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल की गई अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 8 अप्रैल को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़कागांव-हजारीबाग मुख्य मार्ग पर टीपी-05 के समीप कुछ अपराधी हथियार के साथ किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीपी-06 के पास झाड़ियों में छिपे तीन संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान विनोद कुमार भुईयाँ, प्रिंस यादव और तेजु कुमार भोक्ता (सभी निवासी चतरा) के रूप में हुई। तीनों ने कबूल किया कि वे राहगीरों को हथियार के बल पर लूटने की योजना बना रहे थे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 7 फरवरी 2026 को बड़कागांव स्थित नंदनी ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि स्थानीय संदीप कुमार सोनी ने पहले दुकान की रेकी की और पूरी योजना तैयार की। इसके बाद गिरोह के सदस्यों ने दुकान मालिक पर गोलीबारी कर गहनों से भरा बैग लूट लिया और मोटरसाइकिल से फरार हो गए थे। पुलिस जांच में इस कांड से जुड़े अन्य आरोपियों राहुल कुमार सिंह उर्फ पद्धी, मोटरसाइकिल मालिक साकिन्दर कुमार गंजू, रामधनी ठठेरा, संदीप कुमार सोनी एवं विशाल शांताराम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने यह भी खुलासा किया कि लूटे गए जेवर को गलाकर दूसरे राज्यों में बेच दिया जाता था। पुलिस अब इस नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। थाना प्रभारी दीपक सिंह ने कहा कि पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण इस बड़े आपराधिक गिरोह का पदार्फाश संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपी पूर्व में भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं और संगठित तरीके से घटनाओं को अंजाम देते थे।

आगे भी क्षेत्र में इस तरह के अपराध पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस मामले में बड़कागांव थाना कांड संख्या 54/26 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि संगठित अपराध पर लगातार शिकंजा कसा जाएगा। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार, थाना प्रभारी दीपक सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

एक नजर

पंचायत चुनाव के बिगुल बजते ही क्षेत्र में बढ़े समाजसेवी

बरही : झारखंड में पंचायत चुनाव का बिगुल बजते ही, बरही प्रखंड में समाजसेवियों की संख्या काफी बढ़ गई है, कल तक जिस व्यक्ति के पास फुरसत नहीं थी, वह आज समाज की सेवा करने में जुट गए है। ऐसे लोगों से मिलने एवं जानकारी प्राप्त करने पर मालूम होता है कि उन्हें चुनाव लड़ना है। ऐसे कई लोगों को इन दिनों प्रखंड कार्यालय में देखा जा रहा है, जो कल तक प्रखंड कार्यालय क्या अपने गांव - घर रिश्ते - नाते भूल कर दूसरी जगह पर रहकर दो पैसा कमाने एवं अपना कद बढ़ाने की जुगाड़ में रहा करते थे। लेकिन, पंचायत चुनाव आते ही ऐसे लोगों को अपना घर गांव के साथ ही चाचा - भैया भी याद आ गए है, वैसे लोग इन दिनों समाजसेवी बन गए है। जैसा कि पूर्व के कई वर्षों तक उस गांव में कोई व्यक्ति किसी को भी मदद नहीं करता था। आज वे व्यक्ति गांव पहुंचते है, तो लोगों की समस्याओं का निष्पादन एवं गांव केडी लोगों के साथ उठ - बैठकर प्रखंड एवं जिला से संबंधित कार्य को निबटारा करने में पूरे तन - मन से लगे है।

अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ किया गया जागरूक

विष्णुगढ़ : प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ गुरूवार को बेड़ा हरियारा पंचायत भवन में महिला अभिभावकों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विष्णुगढ़, चेडरा, पंडवापोखर, सियारी, रविदास टोला बेड़ा हरियारा, रत्ती बेड़ा, कुदराखो आदि गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल हुई। कार्यशाला का आयोजन जीएफएफ के सहयोग से सामाधान द्वारा किया गया। कार्यकारिणी निदेशक हिल्डा पिन्टो ने कहा कि हाल में प्रखंड क्षेत्र में अंधविश्वास के कारण हुई दर्दनाक घटना से यह बात उजागर हुई है कि ग्रामीण समाज में अंधविश्वास की जड़ें आज भी गहरी हैं। लोगों में अंधविश्वास जब अधिक गहरा हो जाता है तो जघन्य वारदात के मामले सामने आतें हैं। कहा कि ग्रामीण इलाकों में आज भी बड़ी संख्या में लोग बीमारी, पारिवारिक विवाद या आर्थिक संकट के समाधान को लेकर ओझा-गुणी, भगत-भगतीनी और सोखा के पास जाते हैं। झाड़-फूंक करने वाले बीमारी ठीक करने या किसी भी समस्या के समाधान करने का दावा करते हैं। कहा कि इस तरह की घटनाओं के पीछे अंधविश्वास, गरीबी और अशिक्षा आदि है। इसमें सबसे अधिक मासूम और आर्थिक रूप से कमजोर लोग प्रभावित होते हैं। कार्यशाला में समाज में फैले अंधविश्वास, डायन-बिसाही, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, जेंडर भेदभाव, मृत्यु भोज एवं बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर भी चर्चा की गई। मौके पर नीतु कुमारी, रश्मिलता समेत कई लोग शामिल थे।

गैस की कालाबाजारी पर डीएसओ सख्त, दिए एजेंसियों के जांच के आदेश

चतरा : जिले के संचालित गैस एजेंसियों पर लगे गंभीर आरोपों के बाद अब प्रशासन हरकत में आ गया है। उपभोक्ताओं की शिकायतों और मीडिया में खबर सामने आने के बाद जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। डीएसओ ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को जांच की जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहराई से जांच की जाए। साथ ही उन्होंने आम उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि यदि कहीं भी गैस वितरण में गड़बड़ी या कालाबाजारी की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। नीतू सिंह ने कहा कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है।

विद्यालयों में संचालित विभागीय कार्यक्रमों की कल होगी समीक्षा बैठक : बीईईओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह समन्वयक प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव विजय राम ने पत्रांक 60 दिनांक 9 अप्रैल 2026 पत्र जारी कर प्रखंड में संचालित सभी प्रधानाध्यापक/ वार्डन सभी प्राथमिक विद्यालय, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय, + टू उच्च विद्यालय, के.जी बी भी. बड़कागांव के समस्त प्रधानाध्यापक को अवगत कराते हुए कहा है कि विद्यालय में संचालित विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा एवं प्राप्त निदेर्शों के संप्रेषण को लेकर 11 अप्रैल समय 10:00 बजे से कन्या मध्य विद्यालय बड़कागांव में मासिक गुरु गोष्ठी की बैठक आहूत की गई है। बीईईओ विजय राम ने पत्र जारी कर अनुरोध किया है कि अपने विद्यालय में संचालित कार्यक्रमों से संबंधित एजेंडावार प्रतिवेदन के साथ ससमय अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। इस बैठक का मुख्य एजेंडा निम्न है :- टीचर अटेंडेंस एंड स्टूडेंट अटेंडेंस, यू डाइस प्लस, प्रयास कार्यक्रम, प्रोजेक्ट रेल, बुनियादी साक्षरता सुद्दढ़ीकरण कार्यक्रम की समीक्षा, मध्यान भोजन, एमडीएम एसएमएस, एस एम - ॥ 2 एग्जाम ईविद्यावाहिनी अपलोड, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम पर चर्चा, एफ.एल.एन. किट का उपयोग पर चर्चा आदि मासिक प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होंगे।

जल संसाधन विभाग के एक्जीक्यूटिव और सहायक अभियंता 1.72 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को जलपथ प्रमंडल, बरही के कार्यपालक अभियंता राहुल कुमार मालतो और सहायक अभियंता चिरंजीवी दांगी को 1,72,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई शिकायतकर्ता ब्रजेश कुमार राय (गंगा कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि.) की शिकायत के आधार पर की गई। उन्होंने एसीबी को बताया था कि पंचखेरो जलाशय योजना के तहत सड़क, ड्रेन और बाउंड्री निर्माण कार्य के भुगतान के बदले उनसे भारी कमीशन की मांग की जा रही है। आरोप है कि कार्यपालक अभियंता राहुल कुमार मालतो ने संशोधित समझौते की राशि का 1 फीसदी, अब तक किए गए भुगतान का 1 प्रतिशत और उड़नदस्ता टीम के नाम पर 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी ने जब मामले का सत्यापन किया तो रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद कांड संख्या 03/2026 दर्ज कर ट्रैप बिछाया गया। गुरुवार 9 अप्रैल को दंडाधिकारी और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में एसीबी टीम ने दोनों अभियंताओं को रिश्वत की पहली किस्त 1.72 लाख रुपये लेते हुए दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। ऐसे घूसखोर रिश्वतखोरों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने की है।

बरकट्ठा विधायक ने चलकुशा प्रखंड मुख्यालय का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकट्ठा : बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने गुरुवार को चलकुशा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, जिसमें कार्यालय की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

निरीक्षण के दौरान कई पदाधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। विधायक ने देखा कि अधिकांश कर्मी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वे स्वयं प्रखंड गेट पर बैठ गए और कर्मचारियों के आने-जाने का निरीक्षण किया। इस दौरान यह स्पष्ट हुआ कि अधिकारी और कर्मचारी अपने मनमाने समय पर कार्यालय पहुंच रहे हैं।

विधायक ने जब उपस्थिति पंजी (अटेंडेंस रजिस्टर) की जांच की, तो उसमें भी कई कर्मचारियों की लगातार अनुपस्थिति दर्ज मिली। साथ ही उन्होंने पाया कि आम लोग अपने काम के लिए कई दिनों से प्रखंड और अंचल कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन समय पर कार्य नहीं हो रहा, जिससे जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और कार्यशैली में तत्काल सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने साफ कहा कि सभी पदाधिकारी और कर्मचारी प्रखंड मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने यह भी निर्देश दिया कि पंचायत सचिव और रोजगार सेवक नियमित रूप से पंचायत सचिवालय में बैठकर कार्य करें, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी अमृता सिंह को विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

नीर वीर चैटबॉट से होगा पेयजल संकट का समाधान : एसडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : गर्मी से पहले पेयजल संकट से निबटने के लिए बरही प्रखंड प्रशासन द्वारा 'नीर चौपाल' के तहत प्रखंड परिसर स्थित सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से एसडीओ जोहन टुड्डू, जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, प्रमुख मनोज रजक, बीडीओ जयपाल महतो, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा एवं जिप सदस्या प्रीति गुप्ता समेत प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया एवं अन्य जा प्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान एसडीओ जोहन टुड्डू ने कहा कि इस नई व्यवस्था से आम लोग घर बैठे ही अपनी पानी से जुड़ी समस्याएं आसानी से दर्ज करा सकेंगे। अब खराब या बंद पड़े चापानलों की शिकायत के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। लोग सिर्फ 8757864361 पर व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर दिए गए विकल्पों का चयन करेंगे और उसके बाद उनकी शिकायत तुरंत दर्ज हो जाएगी।

जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि यह सिस्टम पूरी तरह सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोग इसका लाभ उठा सकें। मौके पर सांसद प्रतिनिधि गणेश यादव एवं मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप समेत प्रखंड क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि एवं प्रखंडकर्मी मौजूद थे।

हजारीबाग ट्रेजरी घोटाला: 15.41 करोड़ की अवैध निकासी मामले में तीन आरोपी भेजे गए जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिला कोषागार से करोड़ों रुपये के गबन का मामला प्रकाश में आने पर पूरा प्रशासन सकते में है। पुलिस द्वारा मामले को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई। करीब 15.41 करोड़ रुपये की अवैध निकासी करने के आरोप में पुलिस ने तीन सिपाहियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंभू कुमार, रजनीश सिंह और धीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों ने वित्तीय गड़बड़ी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। जानकारी के अनुसार, वित्त विभाग द्वारा किए गए डाटा एनालिसिस के दौरान संदिग्ध ट्रांजेक्शन का पता चला। इसके बाद हजारीबाग के अपर समाहर्ता की अगुवाई में चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने अस्थायी पे आईडी बनाकर सरकारी खजाने से अवैध रूप से रकम निकाली और उसे विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। जांच के बाद 21 संदिग्ध बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। इन खातों में मौजूद करीब 1.60 करोड़ रुपये की राशि को भी सुरक्षित कर लिया गया है।

इस मामले में जिला कोषागार पदाधिकारी द्वारा लोहसिंगना थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह मामला सिर्फ तीन सिपाहियों तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

आखिर इतने लंबे समय (करीब 8 साल) तक इतनी बड़ी राशि की निकासी कैसे होती रही और किसी को भनक तक नहीं लगी? गौरतलब है कि हाल ही में बोकारो जिले में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लेखा शाखा में पदस्थापित लेखपाल कौशल कुमार पांडेय ने सेवानिवृत्त हवलदार के नाम पर करीब 4.28 करोड़ रुपये की अवैध निकासी कर ली थी।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने झारखंड की वित्तीय व्यवस्था और ट्रेजरी सिस्टम की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि इस बड़े घोटाले में और किन-किन लोगों की संलिप्तता सामने आती है और प्रशासन इस पर कितनी सख्त कार्रवाई करता है। फिलहाल जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल भवन का रिपेयरिंग कार्य पूर्ण जल्द होगा उद्घाटन

बड़कागांव : एनएमडीसी टोकीसूद कोल खनन परियोजना क्षेत्र अंतर्गत आर एंड आर कॉलोनी उरेज के पूर्व निर्मित भवन का रिपेयरिंग एवं रंग रोगन का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। यह कार्य एनएमडीसी के एमडीओ कंपनी ऋतिक कंपनी के द्वारा कराई जा रही है। बताते चले कि इसमें मुख्य रूप से आर एंड आर कॉलोनी उरेज के आवास की रिपेयरिंग, रंग रोगन, खिड़की, दरवाजा, पानी एवं बिजली की वायरिंग सहित तमाम तरह के कार्य कराए जा रहे हैं। यह कार्य कुल 132 आवास में कराई जा रही है। अब तक अस्पताल सहित आवास की रिपेयरिंग एवं रंग रोगन का कार्य पूर्ण कर ली गई है। वहीं दर्जनों ब्लॉक का रिपेयरिंग एवं रंग रोगन का कार्य तेजी से जारी है। बताते चलें कि अस्पताल का रिपेयरिंग एवं रंग रोगन का कार्य पूर्ण हो गया है। लोगों की सेवा के लिए फिलहाल एक एंबुलेंस उपलब्ध करा दी गई है। जल्द ही अस्पताल का उद्घाटन होने की संभावना है। ताकि विस्थापित लोगों का इलाज समय से हो पाए एवं स्थानीय स्तर पर ही लोगों का स्वास्थ्य की समस्या का समाधान किया जा सके।वहीं पानी की समस्या को लेकर कंपनी तत्परता दिखाते हुए सभी अवासों में सुचारू रूप से पानी की सुविधा उपलब्ध कर दी है। पानी सभी अवासों में पहुंचाई जा रही है। जिससे पानी की समस्या दूर हो गई है।

विधायक के प्रयास से नया ट्रांसफार्मर लगा, चमगढ़ा गांव में लौटी बिजली

बड़कागांव : सीकरी पंचायत अंतर्गत चमगढ़ा गांव रामनवमी में बिजली ट्रांसफार्मर खराब हो गया था । जिसके कारण 15 दिनों से गांव अंधेरे में डूबा हुआ था। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियां का सामना करना पड़ रहा था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी और किसान अपने खेत में सिंचाई भी नहीं कर पा रहे थे। ग्रामीणों द्वारा समस्या की जानकारी विधायक रोशन लाल चौधरी को दी, जिस पर विधायक ने त्वरित कार्रवाई करते बिजली विभाग से 100 केवीए का नया बिजली ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाने का कार्य किया। ग्रामीणों ने नारियल फोड़ कर बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया और और गांव में बिजली बहाल हो गई। जिससे ग्रामीण में खुशी देखी गई। ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर उपस्थित ग्रामीण। धनुनाथ महतो, तेजन महतो, हेमनारायण कुमार, गोपाल महतो, धनराज कुमार, शुधन महतो घुजा महतो, संतोष कुमार, जोगिंदर कुमार, राजेश कुमार, गुरुदयाल महतो सीताराम वर्मा, वासुदेव महतो, रोहित पटेल, लालू प्रसाद, सुनील कुमार, अरुण कुमार, जागेश्वर राम, सुरेश राम, गुनी राम, टिकेश्वर महतो, धनेश्वर महतो उपस्थित थे।

टाटीझरिया प्रखंड कार्यालय में नीर चौपाल का हुआ आयोजन

टाटीझरिया : टाटीझरिया प्रखंड कार्यालय सभागार में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा नीर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार को किया गया। चौपाल कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि, जलसहिया एवं विभाग के लोगों को बुलाया गया था। बैठक में बीडीओ, मुखिया के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए। विभाग के ओर से ना जेई और ना ही जलसहिया की संख्या में उपस्थिति रहने के कारण सभी ने नाराजगी जाहिर की। बीडीओ ने बताया कि विभाग की ओर गर्मी को देखते हुए सभी पंचायत में खराब पडे चापाकल की मरम्मति, टैंकर की मरम्मति समेत अन्य कार्य को युद्ध स्तर पर किया जायेगा। वहीं सभी मुखिया एवं पंचायत सचिव को कहा गया कि पंचायत में खराब पडे जलमीनार, चापाकल की सुची बनाकर अविलंब जमा करें और जलसहिया के साथ बैठक कर कार्य को आगे बढायें। नीर चौपाल में विभाग द्वारा जारी नम्बर 06546-262291 एवं 8757864361 पर मैसेज कर सुचना दे सकतै है जिसका निपटारा 72 घंटे के अंदर किया जायेगा। बैठक में बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज, मुखिया सुरेश यादव, शिबु प्रसाद सोनी, कुमारी माधुरी, ममता कुमारी, रेखा देवी, सूमित्रा देवी, मिथलेश पाठक,कैलाशपति सिंह,महेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र पांडेय, पंसस विनय दास,कृषि पदाधिकारी सुधीर राय, अमित मोहन, सुनील कुमार, पंचायत सेवक, अर्जुन प्रसाद, गुडिया रानी, अनिता कुमारी समेत अन्य उपस्थित था ।

महिला सुरक्षा एवं अधिकारों को लेकर गरिमा केन्द्र की हुई शुरूआत

विष्णुगढ़ : महिलाओं की सुरक्षा, अधिकार और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेएसएलपीएस द्वारा चेड़रा बालक प्राथमिक विद्यालय परिसर में गरिमा केंद्र (जेंडर रिसोर्स सेंटर) का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि अजय मंडल ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में क्षेत्रीय समन्वयक एनएलडीसी (प्रदान) असरेंद्र कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक (यूनिसेफ) आश्वेश कुमार, जेएसएलपीएस बीपीओ दिव्या सिन्हा शामिल रहीं। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि गरिमा केंद्र महिलाओं की सुरक्षा, सहयोग और मार्गदर्शन बेहतर मंच साबित होगा। उन्होंने इस केन्द्र मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करने पर बल दिया। इसके बेहतर संचालन के लिए हरसंभव सहयोग करने की बात कही। कहा कि गरिमा केंद्र महिलाओं को सशक्त बनाने, उन्हें न्याय दिलाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशिष्ट अतिथि असरेंद्र कुमार ने जेंडर रिसोर्स सेंटर की भूमिका और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कहा कि इस केंद्र के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने इसकी पहुंच प्रखंड के अंतिम छोर तक की महिलाओं तक सुनिश्चित करने की बात कही, ताकि कोई भी जरूरतमंद महिला इससे वंचित न रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में जेंडर सीआरपी रीना बर्मन, बंटी कुमारी, सुमन कुमारी, आरती देवी, अंजू कुमारी, सुनीता देवी, अंशु कुमारी, गीता देवी, बसंती देवी, मनीता राज, सीमा देवी तथा सीएलएफ मैनेजर आरती कुमारी की अहम भूमिका रही।

एक नजर

दादा की हत्या करने के आरोपी को नहीं मिली जमानत

रांची : रांची में अपने दादा की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या करने के आरोपित पोता को जमानत नहीं मिली। अपर न्यायायुक्त संजीव झा की कोर्ट ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपित ने 6 अप्रैल को याचिका दाखिल कर जमानत की गुहार लगाई गई थी। मामला रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र के हसल गांव का है। यहां 9 जनवरी 2025 को सुनील महतो ने अपने दादा सुखुआ महतो को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मार डाला था। आरोपित जमीन बेचना चाहता था, जबकि दादा महतो अपनी पुस्तैनी जमीन को बेचने नहीं देना चाहते थे। जमीन नहीं बेच पाने से गुस्साए सुनील ने अपने दादा को लाठी-डंडे से खूब पीटा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक की बहू ने अनगड़ा थाना में कांड संख्या (6/2025) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बाइक सवार अपराधियों ने ट्रक चालक के घर की फायरिंग

रांची : राजधानी रांची के मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र में अपराधियों ने गुरुवार को ट्रक चालक नसीम खान के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि दो बाइक पर सवार होकर चार अज्ञात अपराधियों ने नसीम खान के घर पर चार राउंड फायरिंग की। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये। इससे इलाके में दहशत है। हालांकि फायरिंग की घटना में किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मैकलुस्कीगंज थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। फायरिंग करने वाले अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही नसीम खान के परिवार के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जांच के क्रम में पुलिस की टीम ने घटनास्थल से कुल तीन खोखा बरामद किया है। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी धनंजय बैठा ने बताया कि जिन पर गोली चलाई गई है उनसे पूछताछ की जा रही है । घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज

रांची : जनगणना-2027 के प्रथम चरण ह्मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ)ह्ल के सफल संचालन के लिए रांची जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में गुरुवार से 70 फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। समाहरणालय के बी-ब्लॉक स्थित कक्ष संख्या 505 में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त सह प्रधान जिला जनगणना पदाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने की। प्रशिक्षण में जिला के मास्टर ट्रेनर्स एवं जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड की टीम द्वारा प्रतिभागियों को सीएमएमएस पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए फील्ड ट्रेनर्स को 35-35 के दो बैचों में विभाजित किया गया है। पहले बैच का प्रशिक्षण 9, 10 और 11 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसमें नगड़ी, मांडर, राहे, सोनाहातु, कांके, बुण्डू, बेड़ों, तमाड़, बुढमू और लपुंग प्रखंडों के प्रतिभागी शामिल हैं। वहीं दूसरे बैच का प्रशिक्षण 13, 15 और 16 अप्रैल को आयोजित होगा, जिसमें चान्हो, सिल्ली, रातु, खलारी, ओरमांझी, नामकुम, इटकी, अनगड़ा तथा नगर पंचायत बुण्डू के ट्रेनर्स भाग लेंगे। दोनों बैचों के पहले दिन संबंधित चार्ज पदाधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल रहेंगे। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने इस मौके पर कहा कि जनगणना-2027 देश की एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो विकास योजनाओं के निर्माण और नीति निर्धारण के लिए आधारभूत आंकड़े उपलब्ध कराती है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को निर्देश दिया कि वे प्रशिक्षण के दौरान सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने-अपने क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करें।

हटिया रेलवे स्टेशन से 16.9 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची रेल मंडल में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत आरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। हटिया रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान टीम ने 16.9 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 8.45 लाख रुपये आंकी गई है।

प्लेटफॉर्म पर ट्रॉली बैग के साथ धराया आरोपी

आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर गठित उक्त रांची और हटिया की संयुक्त टीम स्टेशन पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर फुट ओवरब्रिज के नीचे एक युवक संदिग्ध स्थिति में दो ट्रॉली बैग के साथ बैठा दिखा। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल पुरकायत (25 वर्ष), निवासी महराटोली, जगन्नाथपुर (रांची) बताया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बैग में गांजा होने की बात स्वीकार कर ली।

तलाशी में क्या मिला?

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जब बैग की तलाशी ली गई, तो उसके भीतर से गांजे के तीन बड़े पैकेट बरामद हुए। जिसमे नीला ट्रॉली बैग में 1 पैकेट गांजा, काला ट्रॉली बैग में 2 पैकेट गांजा, जिसका कुल वजनः16.900 किलोग्राम था।

ओडिशा से जुड़ा है तस्करी का तार

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह एक गिरोह का हिस्सा है। उसने बताया कि 4 अप्रैल को वह धुर्वा के एक व्यक्ति के कहने पर अंगुल (ओडिशा) गया था। वहां से 7 अप्रैल को उसे गांजे से भरे ये बैग दिए गए, जिन्हें लेकर वह ट्रेन संख्या 18403 एक्सप्रेस से हटिया पहुंचा था, लेकिन गंतव्य तक पहुँचने से पहले ही पकड़ा गया।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी

आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि रेलवे परिसर को नशा मुक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन नार्कोस के तहत यह कार्रवाई हमारी टीम की सतर्कता का परिणाम है। तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

फिलहाल, आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया है। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे के मुख्य मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन 1000 से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) रांची चैप्टर की ओर से विश्व नवकार महामंत्र दिवस का द्वितीय संस्करण मारवाड़ी भवन में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इसमें 1000 से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और कार्यक्रम प्रातः 7:30 बजे से 9:36 बजे तक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से हुई, जिसके बाद णमोकार मंत्र की महिमा पर विचार व्यक्त किए गए तथा प्रख्यात गायक विशाल जैन ने भक्ति प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति अभय कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान अमित शाह के संबोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया। आयोजन का उद्देश्य वन वर्ल्ड, वन चैंट, टुगेदर फॉर पीस के संदेश के साथ विश्व शांति, सद्भावना और एकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम 106 से अधिक देशों में 6000 से अधिक केंद्रों पर एक साथ आयोजित होकर एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया। इस अवसर पर जीतो रांची के अध्यक्ष विशाल जैन, पूरणमल सेठी, सुभाष बोथरा, विनय नाहटा, सर्वेश जैन, एकता बड़जात्या, प्रदीप बाकलीवाल, विमल दासानी, अशोक सुराणा, प्रवीण छाबड़ा, राकेश जैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने अंजनी चौधरी की पुस्तक का लोकार्पण किया, कहा

युवाओं को मिलेंगे करियर के नए अवसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन में सुश्री अंजनी चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक "Where There is Risk, There is an Actuary" का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने लेखिका को उनके सारगर्भित लेखन के लिए बधाई दी और पुस्तक की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

डिजिटल युग में एक्चुरियल साइंस की अहमियत

लोकार्पण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि भारत आज तीव्र विकास और तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रहा है। डिजिटल लेन-देन के मामले में भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ऐसे परिवेश में जोखिमों का सटीक आकलन और सही निर्णय लेना बेहद जरूरी हो गया है। यह पुस्तक युवाओं और विद्यार्थियों को एक्चुरियल साइंस जैसे चुनौतीपूर्ण और संभावनाओं से भरे क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

दो वर्षों की मेहनत से तैयार हुई पुस्तक

लेखिका सुश्री अंजनी चौधरी ने पुस्तक की यात्रा साझा करते हुए बताया कि इसे पूरा करने में लगभग दो वर्षों का समय लगा। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य एक्चुरियल प्रोफेशन की जटिलताओं को सरल भाषा में समझाना है। इसमें इस क्षेत्र के लिए आवश्यक कौशल, करियर के अवसर और भविष्य की चुनौतियों को विस्तार से बताया गया है।

अर्थव्यवस्था को मिलेगा सुदृढ़ आधार

अंजनी चौधरी ने कहा कि देश में बीमा, बैंकिंग और स्टॉक मार्केट जैसे क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है। ऐसे में एक्चुअरीज की भूमिका समाज और अर्थव्यवस्था को जोखिमों से बचाने और ठोस वित्तीय आधार प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने और पुस्तक का लोकार्पण करने के लिए राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिजली ऑफिस में पीएलएफआई लिखा लिफाफा मिलने से दहशत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का लिफाफा मिलने पर दहशत का माहौल है। धुर्वा थाना स्थित बिजली सब स्टेशन में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब एक कारतूस के साथ बंधा लिफाफा मिला। 315 बोर की गोली को एक धागे के जरिए लिफाफे में बांध दिया गया था। लिफाफा के ऊपर उग्रवादी संगठन पीएलएफआई काले अक्षरों में लिखा हुआ था। जबकि लाल अक्षर में लाल सलाम और जरूरी सूचना लिखा हुआ था। बिजली विभाग के कर्मचारी जैसे ही कार्यालय पहुंचे उनके बीच

हड़कंप मच गया। इसके बाद जानकारी धुर्वा पुलिस को दी गई। मामले की जानकारी हासिल होने के बाद धुर्वा थाना प्रभारी खुद मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल करने के बाद लिफाफा को जब्त कर अपने साथ ले गए। लिफाफा पानी की वजह से भींग गया था, इसलिए उसे तुरंत नहीं खोला जा सका। सूखने के बाद जब बंद लिफाफे को खोला गया तो उसमें मात्र एक व्यक्ति का नाम लिखा हुआ मिला। जिस व्यक्ति का नाम लिफाफे के अंदर लिखा गया है,वह पास के ही रहने वाला है। पुलिस ने उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि उसने इन सब में अपनी भूमिका से साफ इंकार किया है। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि बंद लिफाफा और कारतूस मिलना किसी व्यक्ति विशेष के जरिए आपसी दुश्मनी को साधने का मामला नजर आ रहा है। जांच में लिफाफा के अंदर कोई भी धमकी या किसी तरह की कोई बात नहीं लिखी गई है। हालांकि फिर भी पुलिस अलर्ट है और मामले की जांच कर रही है। बिजली बिल के विवाद या फिर किसी अन्य तरह के विवाद को लेकर भी जांच की जा रही है।

हेसल में गोल्डेन ट्रॉफी नाइट टूर्नामेंट का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : हेसल क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में गुरुवार को 'गोल्डन ट्रॉफी हेसल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2' का पचवा दिन रोमांचक टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू ने खेलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्धघाटन किया। आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह टूर्नामेंट 5 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक हेसल, अनगड़ा में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन के अवसर पर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन मैच साल्हन ओर महेशपुर के बीच खेला गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष मिनहाज आलम, महमूद अंसारी, जबारूल अंसारी, फिरोज अंसारी, प्रभारी अमीरूल अंसारी, साबिर हसन, जमील अख्तर, मो अंसार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. इस अवसर पर टूर्नामेंट के संरक्षक समाजसेवी मुस्तफा अंसारी, मुखिया कविता देवी, साकीर अंसारी, अफताब आलम अंसारी, सकील अंसारी अमीरूल अंसारी अजीज अंसारी मैदान में भारी संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेने पहुंचे।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 69वीं राष्ट्रीय मक्का कार्यशाला का का शुभारम्भ

अन्नदाता से ऊर्जादाता बनेंगे किसानः एम. एल. जाट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार से मक्का पर आधारित तीन दिवसीय 69वीं वार्षिक कार्यशाला की भव्य शुरूआत हुई। 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद'और 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेज रिसर्च', लुधियाना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के 250 से अधिक कृषि वैज्ञानिक जुट रहे हैं।

मक्का से बचा 1.44 लाख करोड़ का विदेशी मुद्रा भंडार

कार्यशाला के मुख्य अतिथि और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने कहा कि मक्का की खेती में किसानों को 'अन्नदाता' से 'ऊर्जादाता' बनाने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने बताया कि एथेनॉल उत्पादन के कारण भारत ने 1.44 लाख करोड़ रुपये के क्रूड ऑयल आयात की बचत की है। इसमें से 1.25 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों की जेब में पहुंचे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है।

उत्पादन में भारी उछालः 50 मिलियन टन का लक्ष्य

डॉ. जाट ने जानकारी दी कि देश में मक्का का उत्पादन जल्द ही 43-44 मिलियन टन से बढ़कर 50 मिलियन टन होने वाला है। उन्होंने मक्का को एक 'वसेटाइल' फसल बताया, जो समुद्र तल से लेकर 3,000 मीटर की ऊंचाई तक और जलवायु परिवर्तन के कठिन दौर में भी बेहतर पैदावार देने में सक्षम है।

झारखंड और बिहार के लिए नई उम्मीदें

बीएयू के कुलपति डॉ. एससी दुबे ने बताया कि झारखंड और बिहार में मक्का की खेती की अपार संभावनाएं हैं। बीएयू ने मक्का की 5 नई किस्में विकसित की हैं जिन्हें केंद्र ने रिलीज कर दिया है, जबकि 3 किस्में राज्य स्तर पर रिलीज हुई हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में हाइब्रिड किस्मों और बेबी कॉर्न पर विशेष शोध कर रहा है।लगभग 2500 किसानों को उन्नत खेती का प्रशिक्षण दिया जा चुका है और 700 एकड़ में डेमोस्ट्रेशन लगाया गया है। वर्तमान में भारत में मक्का का उपयोग बहुआयामी हो चुका है. बायोफ्यूल 18% (अनाज से बनने वाले एथेनॉल का 50% हिस्सा मक्का से आता है)। चारा व पशु आहारः 55% (पोल्ट्री और पशुधन)। खाद्य एवं स्टार्चः 27%। झारखंड में मक्का लगभग 2 लाख हेक्टेयर में उगाया जाता है। वर्ष 2024-25 में राज्य में इसका उत्पादन लगभग 7 लाख टन रहा, जिसे नई तकनीकों के माध्यम से और बढ़ाने की योजना है।

संक्षिप्त खबरें

हाई कोर्ट ने रांची विश्वविद्यालय के आईएलएस में अव्यवस्था पर अधिकारियों को किया तलब, नामांकन पर रोक बरकरार

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची विश्विद्यालय के अधीन संचालित इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (आईएलएस) में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई है। अदालत ने मामले को गंभीर मानते हुए उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सचिव, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी), डीन और आईएलएस के डायरेक्टर को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने संस्थान में प्रोफेसरों की नियमित नियुक्ति नहीं होने पर सवाल उठाए। इस पर रांची विश्विद्यालय की ओर से बताया गया कि आईएलएस में कोई स्वीकृत पद ही नहीं है और जो भी नियुक्तियां होती हैं, वे जेपीएससी के माध्यम से की जाती हैं। इस जवाब पर अदालत ने असंतोष जताते हुए संबंधित सभी अधिकारियों को तलब कर लिया। यह सुनवाई न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई, जहां प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने पक्ष रखा। अदालत ने पहले से लागू रोक को जारी रखते हुए स्पष्ट किया कि अगले सत्र से आईएलएस में नए विद्यार्थियों के नामांकन पर फिलहाल प्रतिबंध रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को निर्धारित की गई है। दरअसल, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के नियमों के अनुसार संस्थान में पर्याप्त लाइब्रेरी, योग्य प्रिंसिपल और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की कमी पाई गई थी। इसी को लेकर अंबेश कुमार चौबे की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि संस्थान की लापरवाही के कारण 418 विद्यार्थियों का भविष्य संकट में पड़ गया है। उल्लेखनीय है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अक्टूबर 2025 में ईमेल के माध्यम से संस्थान को छह महीने के भीतर कमियां दूर करने का निर्देश दिया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद सुधार नहीं किया गया। यह संस्थान सरकार के निर्देश पर संचालित एक स्व-वित्त पोषित संस्थान है।

रांची सिविल कोर्ट के समय में बदलाव, नया शेड्यूल 13 अप्रैल से प्रभावी

रांची : रांची सिविल अदालत कोर्ट के कार्य समय में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। जारी नए टाइम टेबल के अनुसार, 13 अप्रैल (सोमवार) से कोर्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान सुबह 10 बजे से 10 :30 बजे तक आधे घंटे का लंच ब्रेक निर्धारित किया गया है। इस संबंध में न्यायुक्त द्वारा आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके साथ ही नए समय के अनुसार न्यायिक कार्य संपन्न किए जाएंगे। इस बदलाव का उद्देश्य कार्य व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाना बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि रांची सिविल कोर्ट 6 अप्रैल से मॉर्निंग शेड्यूल पर चल रहा था। मॉर्निंग कोर्ट के तहत अदालत का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित था, जबकि सुबह 9 बजे से 9 :30 बजे तक भोजनावकाश दिया जाता था। अब नए आदेश के बाद कोर्ट के समय में आंशिक परिवर्तन करते हुए कार्य अवधि और लंच ब्रेक के समय में संशोधन किया गया है। इससे न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मौसम हुआ साफ, फिर से बढ़ेगा तापमान

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गुरुवार को मौसम साफ रहा। मौसम साफ होने के बाद तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। आने वाले दिनों में भी तापमान में भारी वृद्धि होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी। राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। इसके कारण वातावरण में ठंड महसूस की जा रही है। रांची में इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री कम दर्ज की गई, जबकि अन्य जिलों में यह अंतर तीन से ०९ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गोड्डा में 32 .2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य के जिन इलाकों में बारिश दर्ज की गई उनमें मनोहरपुर में 23 .8 मिलीमीटर, बोकारो डिवीसी में 23 मिमी, मुसाबनी में 22 .8 मिमी, धालभूमगढ़ में 22 .8, रामगढ़ में 19 .4 मिमी, कुरडेग में 17 .8 मिमी, हजारीबाग डीवीसी में 17 .8 मिलीमीटर, महारो में 17 .4 मिमी, नवाडीह 17 .4 मिमी, बोडा में 17 .4 मिमी, तेनुघाट में 17 .2 मिमी, मधुपुर में 16 .8 मिमी और रामगढ़ डीवीसी में 16 .5 मिलीमीटर सहित अन्य इलाकों में बारिश रिकार्ड की गई। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36 .3 डिग्री और सबसे कम तापमान रांची के कांके में 14 .6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। हालांकि दोपहर बाद धूप में तल्खी महसूस की गई। तड़के सुबह हुई बारिश के कारण वातावरण में ठंड भी महसूस की गई। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 30 .4 डिग्री और न्यूनतम 17 .4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34 .2 डिग्री और न्यूनतम 20 .2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.8 और न्यूनतम 20 .8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 28 .2 डिग्री और न्यूनतम 19 .1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34 .8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 .2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रांची में 10 सब इंस्पेक्टरों की हुई पोस्टिंग त्वरित योगदान देने का निर्देश

रांची: राजधानी रांची के थानों में मैनपावर बढ़ाने का प्रयास लगातार जारी है. इस क्रम में रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने पुलिस लाइन से 10 दारोगा की पोस्टिंग रांची के विभिन्न थानों में की है. इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है. रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने पुलिस लाइन में पदस्थापित 10 सब इंस्पेक्टर स्तर के अफसरों को रांची के विभिन्न थानों में पोस्टिंग की है. अनुसंधान की गति को तेज करने के साथ-साथ थानों में मैनपावर बढ़ाने को लेकर यह पोस्टिंग की गई है. इनमें तीन महिला सब इंस्पेक्टरों की पोस्टिंग भी थानों में की गई है. थानों में मैनपावर बढ़ने से बेहतर पुलिसिंग भी संभव हो सकेगा. दिवाकर कुमार सिंह -सुखदेवनगर थाना, रांची, संतोष कुमार यादव - सुखदेवनगर थाना, रांची, लूसी रानी - सुखदेवनगर थाना, रांची, गोल्डी भगत - धुर्वा थाना, रांची, उपेंद्र कुमार दास -पंडरा थाना, रांची, स्वरूप भंडारी - अरगोड़ा थाना, रांची, दीपक कुमार सिन्हा -लालपुर थाना, रांची, सरोज बिरुवा -लालपुर थाना, रांची, अनुज प्रसाद यादव -चान्हो थाना, रांची, भवेश कुमार रवानी -नगड़ी थाना, रांची। थानों में पोस्टिंग देने के बाद यह निर्देश भी जारी किया गया है कि सभी पुलिस पदाधिकारी तत्काल प्रभाव से अपने-अपने स्थान में योगदान दें और नव प्रतिस्थापन का प्रतिवेदन समर्पित करें.

31 दिवसीय महिला वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

सिल्ली : सिल्ली श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली राँची में 31 दिवसीय महिला वस्त्र निर्माण(वूमेन्स टेलर) प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 09 .अप्रैल गुरुवार से शुरू होने जा रहा है कग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक बेरोजगार महिलाएं जिनका उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच है तथा वे प्रशिक्षण लेकर अपना स्वयं का स्वरोजगार करना चाहती हैं वे रूडसेट संस्थान कार्यालय मे संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णत :नि :शुल्क होगा। प्रशिक्षण लेने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड,शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक,महिला समूह कोड आदि फोटो कॉपी डाक्यूमेंट साथ में लाना आवश्यक है।

अवैध कब्जों पर प्रशासन का कड़ा प्रहार : हेसला में खाली कराए गए क्वार्टर, चला बुलडोजर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातु : जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत हेसला पंचायत में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने गुरुवार को सख्त कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से कब्जा किए गए क्वार्टरों को खाली कराया गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रशासन के अनुसार, पीटीपीएस की वह जमीन जो जियाडा को हस्तांतरित की गई है, उस पर लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी कई बार अतिक्रमणकारियों को स्वेच्छा से जगह खाली करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं होने के कारण प्रशासन को मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी।

अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासनिक टीम ने एक-एक कर क्वार्टरों को खाली कराया और उन पर ताला जड़ दिया। इस दौरान कई जगहों पर विरोध भी देखने को मिला, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण स्थिति नियंत्रण में रही। कार्रवाई के विरोध में कुछ लोगों ने सड़क जाम कर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों के साथ कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता भी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। हालांकि, प्रशासन अपने फैसले पर अडिग रहा और अभियान जारी रखा। अचानक हुई इस कार्रवाई से उन लोगों में अफरा-तफरी मच गई जो लंबे समय से क्वार्टरों में अवैध रूप से रह रहे थे। कई परिवारों को तत्काल अपने सामान के साथ बाहर निकलना पड़ा, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। इस मौके पर अंचल अधिकारी मनोज चौरसिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता और थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। कुल मिलाकर, हेसला पंचायत में चला यह अभियान प्रशासन की सख्ती का संकेत है, जिसमें साफ संदेश दिया गया है कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

एक नजर

घाटी में ट्रक पलटने से खलासी की मौत दो घायल

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के सर्वो घाटी में बुधवार की रात लगभग 1:00 बजे एक मालवाहक ट्रक के पलट जाने से ट्रक के खलासी विकास कुमार (24)की मौत घटनास्थल पर ही गई, जबकि सचिन सिंह और चालक अमर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा 108 एंबुलेंस को सूचना देने के बाद दोनों घायलों को रेफरल अस्पताल तोरपा में भर्ती कराया गया है। इसमें अमर सिंह की स्थिति गंभीर बताई जाती है। जानकारी के अनुसार उक्त ट्रक जमशेदपुर से माल लेकर नागपुर जा रहा था। रात को हो रही हल्की बारिश के कारण चालक ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया और ट्रक सर्वो घाटी में पलट गया। इसमें दबकर विकास कुमार की मौत ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रनिया थाना की पुलिस सर्वो घाटी पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। मृतक और घायल उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं।

तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत दहशत

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित धतकीडीह तालाब में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने पानी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तैरती देखीं। देखते ही देखते तालाब के चारों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वाली मछलियों का वजन लगभग 5 से 8 किलो के बीच है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार रात तक तालाब की स्थिति सामान्य थी, लेकिन गुरुवार सुबह अचानक इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना कई सवाल खड़े कर रहा है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि तालाब से बदबू भी आ रही थी, जिससे स्थिति और गंभीर लग रही थी। हालांकि, मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों का अब तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हो सका है। धतकीडीह तालाब का संचालन करने वाले जमशेदपुर एंगलिंग क्लब की ओर से भी इस मामले में कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। क्लब के पदाधिकारी और वहां मौजूद कर्मचारी इस घटना पर कुछ भी कहने से बचते नजर आए। वहीं, सफाई कर्मियों ने भी अनभिज्ञता जताई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते तालाब की साफ-सफाई और पानी की गुणवत्ता की जांच की जाती, तो शायद इस तरह की घटना को टाला जा सकता था। लोगों ने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, मरी हुई मछलियों को जुस्को की ओर से हटाने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि तालाब में और अधिक प्रदूषण न फैले।

भामाशाह जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग को लेकर डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले में गुरुवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की जिला इकाई ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से 23 अप्रैल को महादानवीर भामाशाह की जयंती को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय को सौंपा। महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने कहा कि महादानवीर भामाशाह भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने त्याग, दान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल पेश की। उन्होंने मेवाड़ के महाराणा प्रताप के संघर्ष के दौरान अपना समस्त धन समर्पित कर देशभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्राचीन शिव मंदिर में अखंड हरिकीर्तन शुरू, आज भंडारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : क्षेत्र के गांधीनगर सुंदरनगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में गुरुवार से 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया। पूरे इलाके में भक्ति की गूंज सुनाई दे रही है, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया है। हरिकीर्तन की शुरूआत से पहले मंदिर परिसर में पुरोहित द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। इसके बाद स्थानीय कीर्तन मंडली ने हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे का संकीर्तन शुरू किया। भक्तजन भक्ति में लीन होकर कीर्तन में शामिल हो रहे हैं और लगातार भगवान के नाम का जाप कर रहे हैं। अखंड हरिकीर्तन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महिलाएं, पुरुष और युवा सभी उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। मंदिर परिसर में दिन-रात भजन-कीर्तन का सिलसिला जारी है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण

में डूबा हुआ है। आयोजन समिति के अनुसार 24 घंटे का यह अखंड हरिकीर्तन शुक्रवार को संपन्न होगा। समापन के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण होगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में जितेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, चंदन साव, दिनेश रजक, गुड्डू रजक, प्रकाश चंद्रवंशी, रामकेवल साव, अजय रजक, श्रीकांत कुमार, अजित रजक और संतोष सोनी सहित कई ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

ट्यूशन से लौट रही युवती पर चाकू से हमला, गंभीर हालत में जमशेदपुर रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई, जहां ट्यूशन पढ़ाकर घर लौट रही एक युवती पर अज्ञात युवक ने चाकू से हमला कर दिया। घटना कल्याणपुर स्थित आनंद मार्ग स्कूल के सामने वाली गली की बताई जा रही है। घायल युवती की पहचान शिल्पी मोदक (24) के रूप में हुई है, जो न्यू कॉलोनी नीमडीह में संतोषी मंदिर के पास की रहने वाली है। उसके पिता अनिल मोदक टोटो चालक हैं। जानकारी के अनुसार, शिल्पी मोदक रोज की तरह बुधवार रात ट्यूशन पढ़ाकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान पहले से घात लगाए एक युवक ने अचानक उस पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने

बताया कि हमलावर ने सफेद शर्ट और जींस पहन रखी थी। उसने युवती पर लगातार सात से आठ बार चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवती को तुरंत सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया। घायल के बड़े पिता सुनील मोदक ने बताया कि शिल्पी उनके छोटे भाई अनिल मोदक की बेटी है और वह प्रतिदिन बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने जाती थी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना कुछ बच्चों के माध्यम से परिवार को मिली, जिसके बाद सभी लोग तुरंत अस्पताल पहुंचे। मामले की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है।

बरियातू पंचायत में विधिक जागरूकता अभियान ग्रामीणों को दी कानूनी सहायता की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के बरियातू पंचायत भवन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की ओर से गुरुवार को व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार के तहत राज्य स्तरीय दल के भ्रमण के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के साथ-साथ निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अधिकार मित्रों ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और जरूरतमंद लोग जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से बिना किसी शुल्क के कानूनी सलाह और सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि घरेलू हिंसा, जमीन-जायदाद विवाद, पारिवारिक कलह या अन्य कानूनी समस्याओं के समाधान के लिए विधिक सेवा केंद्र से संपर्क किया जा सकता है। साथ ही मध्यस्थता (मेडिएशन) की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि आपसी सहमति और संवाद के जरिए भी विवादों का समाधान संभव है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकार, बाल संरक्षण कानून और समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ बने कानूनों के बारे में भी जागरूक किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि कानून सभी को समान अधिकार देता है और किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना उनका अधिकार है। इस मौके पर अधिकार मित्र वीरेंद्र पाठक, पूनम कुमारी, अनिता कुमारी और दुर्गेश कुमार ने ग्रामीणों को विधिक सेवा केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

चोरों नें घनश्याम ज्वेलर्स को बनाया निशाना, उड़ाए लाखों के जेवरात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के पांकी मुख्य चौराहा-शहीद भगत सिंह चौक के समीप रामसेवक कॉम्प्लेक्स में स्थित घनश्याम ज्वेलर्स में बीती रात हुई बड़ी चोरी की घटना को चोरों ने फिल्मी अंदाज में अंजाम दिया। मार्केट के पिछले हिस्से में बने छोटे गेट को तोड़कर चोर भीतर घुसे और उसके बाद दुकान का शटर काटकर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखे सोने-चांदी के कीमती गहने, नकदी सहित कई कीमती सामान पर हाथ साफ किया और फिर उसी पिछले गेट से फरार हो गए। घटना को अंजाम देने से पहले शातिर चोरों ने सामने लगे चैनल गेट में काला प्लास्टिक बांध दिया, ताकि किसी को अंदर की हलचल दिखाई न दे सके। चोर इतने सतर्क और योजनाबद्ध थे कि उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के हार्ड डिस्क को भी उखाड़ लिया, जिससे घटना से जुड़ा कोई डिजिटल सुराग पुलिस को न मिल सके। इससे चोरों की प्रोफेशनल प्लानिंग साफ झलकती है। घटना की जानकारी मिलते ही गुरूवार को पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस इस घटना को पूरी गंभीरता के साथ देख रही है। खोजी कुत्ता का भी मदद लिया जा रहा है। बहुत जल्द घटना का उद्भेदन कर लिया जाएगा। चोरी की इस बड़ी वारदात ने पांकी के व्यवसायियों को चिंता में डाल दिया है। बाजार के दुकानदार भयभीत हैं और पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है। व्यवसायियों का कहना है कि लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पनप रही है।

एआई से अभियांत्रिकीय उपकरणों के शेष आयु का लग सकता है सटीक अनुमान : डॉ जी रेड्डी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में गुरुवार से अभियांत्रिकीय उपकरणों की शेष आयु आकलन (आरएलए-२०२६) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। ०९ और १० अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर से लगभग १५० वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ, शिक्षाविद और नीति-निमार्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी में आईआईटी खड़गपुर, सीएसआईआर-सीएमईआरआई दुर्गापुर, एनटीपीसी, भारतीय तेल निगम, भारत पेट्रोलियम, महिंद्रा रक्षा सहित कई प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों की

सहभागिता रही। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ जी सतीश रेड्डी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी ने की। इस अवसर पर संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र कुमार साहू और संयोजक डॉ सुमंता बगुई भी मंच पर मौजूद थे। निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी ने कहा कि देश में पेट्रो रसायन, ताप विद्युत और खनन क्षेत्रों के लगभग ६० से ७० प्रतिशत औद्योगिक ढांचे अपनी निर्धारित आयु से अधिक समय से उपयोग में हैं। ऐसे में शेष आयु आकलन इन संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके सुरक्षित उपयोग को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ जितेंद्र कुमार साहू ने आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इस क्षेत्र में संस्थान ने ताप विद्युत, अंतरिक्ष और तेल और गैस क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपकरणों की संरचनात्मक मजबूती और दीघार्यु के आकलन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वहीं मुख्य अतिथि डॉ जी सतीश रेड्डी ने कहा कि शेष आयु आकलन देश के औद्योगिक ढांचे के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने बताया कि बॉयलर, टरबाइन, दाब पात्र और नली प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखने में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि मिसाइल, लड़ाकू विमान और अन्य वायुयान प्रणालियों में भी इसका उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां सुरक्षा से समझौता किए बिना संरचनात्मक आयु बढ़ाना आवश्यक होता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर भी जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से शेष आयु का अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले सेवा आंकड़ों के संग्रह को इस प्रक्रिया की सफलता के लिए अनिवार्य बताया।

संक्षिप्त खबरें

एला इंग्लिश स्कूल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

भुरकुंडा : क्षेत्र के एला इंग्लिश सीबीएसई स्कूल में आयोजित दो दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस शिविर ने विद्यार्थियों, खासकर बालिकाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और योग के प्रति रुचि बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक कंचन दास ने पांचवीं कक्षा की छात्राओं को विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, चक्रासन, वीरभद्रासन, धनुरासन, हलासन, सेतुबंधासन, उष्ट्रासन और पद्मासन जैसे जटिल आसनों का अभ्यास कराया गया। छात्राओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ हर आसन को सीखा और उसे सही तरीके से करने का प्रयास किया। शिविर का उद्देश्य बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना था। योग के माध्यम से उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक ने बच्चों को नियमित योग करने के लाभ भी बताए, जिससे एकाग्रता, आत्मविश्वास और शारीरिक संतुलन बेहतर होता है। शिविर में श्रद्धा, सृष्टि, सना, स्वीटी, परी, रूही, दिव्या, वंदना, मैत्रियाणी, सिमरन, रागिनी, साक्षी, नेत्रजा, चंचल, आंचल, नव्या, अर्पिता, अन्यया, आराध्या, जानवी, श्रुति, उत्तश्री, सिद्धि, सुरभि, श्वेता, आरोही, हर्षिता, तृषा, नूर सहित कई छात्राओं ने भाग लिया और योग प्रशिक्षण का लाभ उठाया। स्कूल के प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योग बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि स्कूल में समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि छात्र-छात्राएं स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपना सकें।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के प्रशिक्षुओं का गैंगटोक शैक्षणिक भ्रमण सफल

रामगढ़ : शिक्षा को व्यवहारिक रूप से समझने और प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। बीएड सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं ने 4 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक गैंगटोक का भ्रमण कर ज्ञान और अनुभव का अनूठा संगम प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टॉक, हनुमान टोक, बन झाखरी फॉल, इंचे मोनेस्ट्री, छांगू लेक और बाबा हरभजन सिंह मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों का दौरा किया। इन स्थानों ने विद्यार्थियों को सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक परंपरा और जीवनशैली से रूबरू कराया। इस शैक्षणिक यात्रा के माध्यम से प्रशिक्षुओं को कक्षा से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन में सीखने का अवसर मिला। उन्होंने न केवल स्थानीय कला और हस्तनिर्मित वस्तुओं को समझा, बल्कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेकर अपने अनुभव को और समृद्ध किया। यह भ्रमण उनके लिए यादगार और ज्ञानवर्धक साबित हुआ। प्रशिक्षुओं ने गैंगटोक की आधुनिक जीवनशैली के साथ-साथ उसकी ऐतिहासिक धरोहरों को भी करीब से देखा। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि कैसे एक क्षेत्र अपनी परंपराओं को संजोते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर हो सकता है। कुलाधिपति बी.एन. साह ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तक आधारित ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और व्यापक दृष्टिकोण का विकास होता है। कुलपति रश्मि, कुलसचिव निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार और प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने इस सफल आयोजन पर शिक्षा विभाग के सभी व्याख्याताओं और प्रशिक्षुओं को बधाई दी।

भदानीनगर मंडल में नव-नियुक्त पदाधिकारियों का हुआ भव्य सम्मान

भुरकुंडा : भारतीय जनता पार्टी के भदानीनगर मंडल में संगठन को मजबूत और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से देवरिया पंचायत भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नव-नियुक्त मंडल पदाधिकारियों को सम्मानित कर उन्हें नई जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शौर्य प्रसाद कुशवाहा ने की। उन्होंने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए हर कार्यकर्ता की भूमिका अहम होती है। उन्होंने सभी से अपेक्षा जताई कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मंडल अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां हर कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की जिम्मेदारी अब नव-नियुक्त पदाधिकारियों के कंधों पर है। बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि वे क्षेत्र में सक्रिय रहकर आम जनता से जुड़ाव बढ़ाएं और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाएं। इस मौके पर मंडल सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र करमाली, राजेंद्र मुंडा, हिमांशु त्रिपाठी, अनिल सिंह खरवार, कृष्ण कुमार रवि, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र ठाकुर, भरत महतो, आशीष शर्मा, शिव उरांव, पंचम महतो, राजेश महतो, आनंद कुशवाहा, जांगू बेदिया, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में यह विश्वास जताया गया कि नई टीम के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और क्षेत्र में पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी। कुल मिलाकर, यह आयोजन न केवल सम्मान का मंच बना, बल्कि संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुआ।

एक नजर

अनियंत्रित होकर हाइवा झाड़ी में घुसा चालक गंभीर

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के तीनपहाड़-बरहरवा मुख्य सड़क के निमगाछी के समीप अनियंत्रित होकर हाइवा झाड़ी में जा घुसा। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह तीनपहाड़-बरहरवा सड़क निमगाछी के समीप तीनपहाड़ से बरहरवा की और जा रही हाइवा अनियंत्रित होकर झाड़ी में जा घुसी जिसमे ड्राइवर की हाथ मे आंशिक चोटे आई थी जिसका इलाज स्थानीय डॉक्टरों से कराया गया। वही खबर लिखे जाने तक हाइवा को बाहर निकालने की प्रक्रिया जारी थी।

पुलिस ने नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार, भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज : जिले के तालझारी थाना कांड संख्या 13/26, दिनांक 26 जनवरी 2026 से जुड़े मामले में नामजद अभियुक्त सपन दास को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 115(2) एवं 352 के तहत दर्ज किया गया था। अभियुक्त सपन दास, पिता आदेश दास, निवासी हरिजन टोला, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज को पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जांगीबुरु में ट्रैक्टर पलटने से 16 घायल तीन की हालत गंभीर

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले में सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार की शाम मंझारी थाना क्षेत्र के जांगीबुरु में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया,जिसमें सवार लगभग 16 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू ने त्वरित पहल करते हुए सभी घायलों को करीब 30 किलोमीटर दूर सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया,जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। सदर अस्पताल में उपाधीक्षक डॉक्टर शिवचरण हसदा की निगरानी में सभी घायलों का इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन पहले से ही सतर्क था, जिससे घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने मिलकर सभी का इलाज किया। घटना के संबंध में घायल ग्रामीण राजा बिरुली ने बताया कि वे लोग झींकपानी थाना क्षेत्र के माटागुटू गांव के निवासी हैं। गांव में आदिवासी हो समाज की परंपरा के तहत ह्युदुल सुनुमह्न कार्यक्रम आयोजित होना था,जिसके लिए जंगल से पत्ते और झाड़ लाने गए थे। इन पत्तों से झोपड़ी नुमा संरचना तैयार की जाती है। सभी लोग सामग्री लेकर लौट रहे थे,तभी जांगीबुरु डाउन में ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। गीता बालमुचू ने बताया कि जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली,उन्होंने जिला प्रशासन से संपर्क कर तुरंत व्यवस्था सुनिश्चित कराई। साथ ही सदर अस्पताल को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि घायल मरीज पहुंचने वाले हैं, जिससे वहां इलाज की पूरी तैयारी कर ली गई थी। उन्होंने बताया कि घायलों में से तीन लोगों को गंभीर चोटें आई हैं,जबकि अन्य की स्थिति सामान्य है।

जेटेट में मगही-भोजपुरी को जगह नहीं पलामू में भाजपा का आंदोलन एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) में मगही और भोजपुरी भाषाओं को क्षेत्रीय व स्थानीय भाषा के रूप में शामिल नहीं किए जाने पर पलामू जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे पर झारखंड सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आंदोलन की घोषणा की है। भाजपा ने 10 अप्रैल (शुक्रवार) को डालटनगंज के छहमुहान पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी जाएगी कि वह अपने भेदभावपूर्ण निर्णय को वापस ले, अन्यथा पूरे जिले में व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। पलामू सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, पांकी विधायक शशिभूषण मेहता और भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार मगही और भोजपुरी जैसी स्थानीय भाषाओं की उपेक्षा कर रही है। विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि मगही और भोजपुरी केवल भाषाएं नहीं, बल्कि क्षेत्र की संस्कृति और पहचान की आत्मा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन भाषाओं को नजरअंदाज करना उन्हें धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में उठाया गया कदम है, जो बेहद चिंताजनक है। पांकी विधायक शशिभूषण मेहता ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाषा के आधार पर किसी भी छात्र के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है, बावजूद इसके सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि प्रस्ताव सामने आने के बाद भाजपा कार्यकताओं ने पलामू समाहरणालय के समक्ष उसकी प्रति जलाकर विरोध दर्ज कराया था। उन्होंने इसे पलामू के लोगों के लिए आत्मघाती निर्णय बताया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विपुल गुप्ता ने सवाल उठाया कि जब सरकार उड़िया और बंगला जैसी भाषाओं को क्षेत्रीय भाषा का दर्जा दे सकती है, तो मगही और भोजपुरी को क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार के पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्यामनारायण दुबे, शिव मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीएसएल में सेल-दर्पण पहल के तहत भूमिका निर्धारण एवं डेटा संकलन का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेल में संगठनात्मक कार्यकुशलता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एचआर ट्रांसफॉर्मेशन परियोजना सेल दर्पण के अंतर्गत केपीए की भूमिका निर्धारण एवं डेटा संकलन प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। इस पहल के तहत दिनांक 09 अप्रैल 2026 को बोकारो इस्पात संयंत्र में इसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन उपस्थित थे। उनके साथ अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्षों सहित माइंस, एसआरयू एवं कोलियरी से जुड़े एचआर अधिकारी, कॉर्पोरेट-एचआर से एमडी रिजवान तथा बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य एक सुदृढ़, पारदर्शी एवं सिस्टम-आधारित प्रदर्शन प्रबंधन ढांचा विकसित करना है, जिससे संयंत्र में बेहतर प्रदर्शन तथा सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। ज्ञातव्य है कि यह परियोजना बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के सहयोग से संचालित की जा रही है। सेल दर्पण पहल के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र आधुनिक एचआर प्रणालियों को अपनाते हुए डेटा-आधारित कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने तथा समग्र संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

दो करोड़ राशि से झाड़बामनी से पाथरडीह तक बनेगी पक्की सड़क हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के दिघी पंचायत के झाड़बामनी से सोलरेखा पाथरडीह तक 2 किमी पक्की सड़क का निर्माण दो करोड़ की लागत से होगा। जिसका शिलान्यास गुरुवार को संपन्न हुआ। जानकारी देते हुए विभागीय जेई शिशिर कुमार ने बताया कि झाड़बामनी से पाथरडीह तक कालीकरण और पीसीसी दोनों तरह की सड़क बनेगा।इस सड़क निर्माण की मांग ग्रामीणों के द्वारा काफी लंबे समय से की जा रही थी। सड़क निर्माण कार्य निर्माण कंपनी इंडियन ट्रेडर्स चाइबासा के द्वारा किया जाएगा। जिसका निर्माण पथ निर्माण कार्य विभाग जमशेदपुर की देखरेख में किया जाएगा है। विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा कि ग्रामीणों की यह काफी लंबी मांग थी। ग्रामीणों की समस्या को ध्यान देते हुए विधायक मंगल कालिंदी के प्रयास से जल्द सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होगा। जिससे ग्रामीणों की समस्या का समाधान होगा। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, पार्षद प्रदीप बेसरा, प्रमुख बालिका सोरेन, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, जेई शिशिर कुमार, 20 सूत्री अध्यक्ष कालीपद महतो, मुखिया प्रतिनिधि दीपक मुर्मू, ग्राम प्रधान शंभू नाथ सोरेन, उप मुखिया राजशेखर महतो, समाजसेवी विश्वनाथ महतो, सिजेन हेंब्रम, सुबोध महतो ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया।

हर हाल में बीएसएल को वापस करना होगा सरप्लस जमीन : चम्पाई सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में विस्थापित आंदोलन को अमलीजामा पहनाने पहुंचे चंपाई सोरेन कहा नगड़ी के तर्ज पर होगा बोकारो में विस्थापित आंदोलन। हर हाल में बीएसएल को वापस करना होगा सरप्लस जमीन। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने आगे कहा कि लाखों विस्थापितों के साथ डेढ़ महीने के बाद हल,बैल और ट्रैक्टर लेकर पहुंचेंगे और बोकारो स्टील प्लांट के खाली पड़ी जमीन को जोतने का काम करेंगे। उन्होंने राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण बिल 2013 को आखिर लागू क्यों नहीं किया गया जिसमें 5 साल तक भूमि का उपयोग किसी आधौगिक काम के लिए नहीं किया जाता है तो अधिग्रहित जमीन को रैयत विस्थापितों को वापस करना है ऐसे में बोकारो स्टील प्लांट के निर्माण के समय 1960 और 1962 में करीब 34 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहीत किया गया था जहां विस्थापितों के परिवार के लिए चतुर्थ वर्ग की नौकरी आरक्षित था हो हटा दिया गया है ऐसे में जमीन दाता आज सारा जमीन लुटाकर दर दर की ठोकर खा रहा है और पलायन कर रहे है। उन्होंने कहा कि अब आंदोलन की रूपरेखा तैयार किया जा रहा है और गांव गांव में विस्थापित परिवार को गोलबंद करने का काम किया जा रहा है जहां लाखों परिवार के साथ प्लांट की खाली पड़ी जमीन को जोतने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में लाखों लोग विस्थापन का दंश झेल रहे है लेकिन आजतक उस उसका हक और अधिकार नहीं मिल पाया है इसलिए हम बोकारो और रामगढ़ में आए है और एक बड़े आंदोलन की तैयारी में है जहां इस बार आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

जमीन विवाद में मारपीट पांच लोग घायल, दो रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोंका गांव में गुरुवार को जमीन संबंधित विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट में तीन लोग घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जोंका निवासी मुकद्दर हुसैन (40), ताजदार आलम (54) मंतशा ताज (18) का जमीन संबंधित बात को लेकर कहा सुनी होते होते पड़ोस के मुकद्दस आलम (40) और उसकी पत्नी नसीमा बीवी (38) के बीच मारपीट हो गया। जिसमें दोनों पक्षों से चार लोग घायल हो गया। सभी घायलों को अपने-अपने परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में मुकद्दर हुसैन और ताजदार आलम को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वही मामले को लेकर तीनपहाड़ थाना पुलिस जांच में जुट गई है।

कफ सिरप का कारोबार करने वाले ट्रांसपोर्ट कंपनी का संचालक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर में अवैध नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जुगसलाई थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बोलबम ट्रांसपोर्ट एजेंसी पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। इस कार्रवाई में ट्रांसपोर्ट संचालक शशिकांत मिश्रा (59) को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे पूछताछ के बाद गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जुगसलाई थाना क्षेत्र के नया बाजार बोरापट्टी स्थित बोलबम ट्रांसपोर्ट के माध्यम से शहर में अवैध नशीली दवाओं की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर 07 अप्रैल को थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्यालय और गोदाम में अचानक छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित ऑनरेक्स कफ सिरप की कुल 20 पेटियां बरामद कीं। जब्त किए गए इस कफ सिरप की बाजार में कीमत लगभग 09 लाख 66 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस की ओर से जब इस खेप से संबंधित वैध कागजात की मांग की गई, तो एजेंसी संचालक कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पूरी खेप को अवैध मानते हुए जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपित शशिकांत मिश्रा बागबेड़ा थाना क्षेत्र के गणेश नगर स्थित पहलवान कॉम्प्लेक्स का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस पूरे मामले की जानकारी जुगसलाई थाना प्रभारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि शहर में प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि जब्त की गई कफ सिरप की खेप रांची से भेजी गई थी और इसे जमशेदपुर के विभिन्न इलाकों में सप्लाई किया जाना था। पुलिस अब इस नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और इसका नेटवर्क कितनी दूर तक फैला हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी स्कूल बस और ट्रक में जोरदार टक्कर दो दर्जन से अधिक बच्चे घायल

बोकारो : चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के राजाबेडा के पास डीएवी भंडारीदह के स्कूल बस को एक ट्रक (डाला गाड़ी) ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बस में बैठे करीब दो दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए। घायल सभी बच्चों को चंद्रपुरा अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां घायल बच्चों का प्राथमिक इलाज किया जा रहा है वहीं घटना में गंभीर रूप से घायल एक बच्चे को बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। बस में सवार छात्र एवं छात्राओं ने बताया कि हमारा बस भी तेज गति में था और सामने से आ रहा ट्रक से बस की टक्कर हो गई जिसके कारण बस में बैठे लगभग सभी बच्चे घायल हो गए हैं। बच्चों ने बताया कि ट्रक भी काफी स्पीड में था। टक्कर लगने के बाद हम सभी लोग घबरा गए लेकिन स्थानीय लोगों ने हम लोगों को गाड़ी पर बिठाकर अस्पताल पहुंचाया। वहीं घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंचे बेरमो एसडीओ मुकेश मछुआ ने बताया कि स्कूल बस की दुर्घटना में बच्चे घायल हुए हैं अच्छी बात रही की कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, 10 से 12 बच्चे घायल है चार बच्चों को बोकारो जनरल अस्पताल भेजा गया है जिसमें एक बच्चा थोड़ा गंभीर है हम लोग इस संबंध में मामले की जांच कर आगे भी जो भी उचित कार्रवाई होगा किया जाएगा।

खूंटी में उपायुक्त की समीक्षा बैठक, हाई कोर्ट से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

खूंटी : खूंटी में झारखंड उच्च न्यायालय में दायर वाद, अवमानना वाद और जनहित याचिकाओं से संबंधित मामलों की समीक्षा को लेकर गुरुवार को उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने उच्च न्यायालय में लंबित मामलों के अद्यतन प्रतिवेदन की विभागवार गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों में आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि उनका समयबद्ध निष्पादन हो सके। समीक्षा के क्रम में पुलिस विभाग, भू-अर्जन, विद्युत, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और लंबित मामलों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता से करें। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) , पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मुख्यालय, विधि शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा के अधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, शिक्षा विभाग एवं ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पलामू में दो हादसों में बुजुर्ग और युवक की मौत

पलामू : जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए दो हादसों में एक बुजुर्ग और युवक की मौत हो गई। मेदिनीनगर शहर और लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में दोनों घटनाएं हुई। दोनों शवों का पोस्टमार्टम मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) मेदिनीनगर में गुरूवार को किया गया। पहली घटना में 12 घंटे से लापता बुजुर्ग का शव तालाब से मिला, जबकि दूसरी घटना में मॉर्निंग वॉक के दौरान छत से गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पहली घटना शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा बारालोटा की है। यहां विनोद राम (45) की अपने घर की छत से गिरकर मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, गुरुवार सुबह विनोद राम छत पर टहल रहे थे, तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल होने के बाद परिजन उन्हें तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी गांव में हुई। यहां बुजुर्ग सोहराई यादव (70) का शव एक तालाब से बरामद किया गया। बताया गया कि वे बुधवार शाम से लापता थे और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार की सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने तालाब में शव देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा
सर्किट हाउस सिमडेगा के पीछे, सिमडेगा, ई–मेल– simdegafisheriesdfo@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

एतद् द्वारा निदेशक मत्स्य, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 366, दिनांक– 17.03.2026 आलोक में वित्तीय वर्श 2026–27 में Factory Formulated Extruded Mash feed के निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेताओं से Factory Formulated Extruded Mash feed के क्रय हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक– 28.04.2026 को 02:00 बजे अपराह्न तक जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में आमंत्रित किया जाता है। उसी दिन दिनांक– 28.04.2026 को अपराह्न 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपविकास आयुक्त, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में निविदा खोली जाएगी।

निविदा की नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचनापट्ट /w.w.w.simdega.nic.in पर देखी जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा

PR 377090 Simdega(26-27)#D

कार्यालय, कार्यपालक अभियंता, एन0 आर0 ई0 पी0, सिमडेगा

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या –01/2026-27/NREP/SIMDEGA दिनांक – 08.04.2026

1. कार्य का विवरण :–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि अंक में (लाख में)	प्राक्कलित राशि अक्षर में	परिमाण विपत्र की राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	कार्य अवधि
1	बानो	Construction of 1360 ft. P.C.C. Road at Village- Kupudana Dongijhariya in Panchayat-Banki, Block-Bano.	24.24261	चौबीस लाख चौबीस हजार दो सौ एकसठ।	5000	48500	90 Days
2	बानो	Construction of PCC Road from Sahubera Panchayat Bhawan to R.C. Middle School, Borkamara main Road.	24.15800	चौबीस लाख पन्द्रह हजार आठ सौ।	5000	48500	90 Days
3	बानो	Construction of PCC Road at Pabuda R.C. Primary School.	10.97900	दस लाख संतानबे हजार नौ सौ।	2500	22000	90 Days
4	बांसजोर	Construction of PCC Road from Bendochua Ganjhutoli to Manjhatoli.	22.91900	बाईस लाख इक्यानबे हजार नौ सौ।	5000	46000	90 Days
5	बांसजोर	Construction of PCC Road from Kombakera Kadopani primary School to Pahantoli.	8.42600	आठ लाख बयालीस हजार छः सौ।	1250	17000	90 Days
6	कुरडेग	Construction of PCC Road from Panchayat bhawan to Rawankhol Korwa Basti, Kurdeg Block, Simdega. Part-A.	24.66600	चौबीस लाख छियासठ हजार छः सौ।	5000	49500	90 Days
7	पाकरटांड	Construction of P.C.C. Road on the Picnic Spot at Basatpur.	12.07671	बारह लाख सात हजार छः सौ एकहत्तर।	2500	24200	90 Days

2	Date of publication of Bid on Website	:-	11.04.2026 at 5:00 PM
3	Mode of Submission of Tender	:-	Online Through www.jharkhandtenders.gov.in
4	Bid submission start date	:-	11.04.2026, 5:00 PM onwards
5	Last date and Time of Online submission of Bid	:-	25.04.2026 by 05:00 PM
6	Bid Opening Date and Time	:-	27.04.2026 at 11:00 AM
7	Tender inviting Authority	:-	Executive Engineer, N.R.E.P., Simdega

विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

PR 377027 (Simdega)26-27*D

कार्यपालक अभियंता एन0 आर0 ई0 पी0 सिमडेगा

किसी के लिए भी आसान नहीं केरल की राह

1957 में राज्य गठन के बाद से केरल राज्य में मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही है जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी-किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नही रहा। लेकिन 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी? विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशक भर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में कितना सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशक भर में किए गए कामों को कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। इसके अलावा राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्म में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है। इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस ने सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है जिसके अहम रमुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बडे स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है जिससे युवा बेरोजगार हैं जिससे युवाओं को राज्य का छोड़ना लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रुप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंड एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था लेकिन वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बबार्दी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वॉयनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालात में खाली पडें हैं चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जो लेकर कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नही मिली जिससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं जिसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं वही लडकों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नही है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं। कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नही समाया हुआ जिससे वहां की जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिध्द होती है चूंकि कई बार बडे मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। लेकिन अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपना किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुन अपने आप को स्थापित करती है।

मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

ललित गर्ग

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है। तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरूआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

एआई नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व

गिरिराज अग्रवाल

फरवरी 2026 में अमेरिका और भारत के शोधकर्ता और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अमेरिका-भारत शोध सहयोग निर्माण पर कार्यशाला के लिए मोहाली में एकत्र हुए। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से की थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट थाः संवाद से आगे बढ़कर एआई अनुसंधान में स्थायी और व्यावहारिक साझेदारियां बनाना।

इस कार्यशाला ने प्रगति के साथ-साथ विकास के क्षेत्रों को भी उजागर किया। अमेरिका अग्रिम एआई अनुसंधान में अग्रणी बना हुआ है, जबकि भारत एक विशाल और कुशल प्रतिभा समूह तथा व्यापक वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सहयोग को मजबूत करने के लिए वित्तपोषण और संस्थागत प्राथमिकताओं को और अधिक समन्वित करने के अवसरों की भी पहचान की। इन निष्कर्षों ने उन शोधकताओं के साथ गहन चचाओं के लिए आधार तैयार किया जो अमेरिका-भारत एआई पहलों को आकार दे रहे हैं।

सहयोग का स्तर

वास्तव में, अमेरिका-भारत सहयोग एआई में बहुत उच्च स्तर पर है, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के कंप्यूटिंग, सूचना और डेटा विज्ञान स्कूल के विशिष्ट प्रोफेसर और डीन राजेश गुप्ता कहते हैं। मैं यह इसलिए जानता हूं क्योंकि मैं भारत में छह एआई स्कूलों के निर्माण में शामिल हूं, और अमेरिका की फाउंडेशन उन्हें मदद दे रही हैं।

इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राजीव बरुआ कहते हैं कि सहयोग अधिक रणनीतिक और संस्थागत होता जा रहा है। पूरकता स्पष्ट हैः अमेरिका अग्रिम अनुसंधान और वैश्विक उत्पाद पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई प्रदान करता है, जबकि भारत व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिभा और विविध वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है, वह कहते हैं। सबसे बड़ा साझा अवसर विश्वसनीय, सुरक्षित और लागत-प्रभावी एआई सिस्टम बनाना है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके।

बरुआ ने कार्यशाला से तीन प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित कियाः संस्थानों के बीच सहयोग को सक्षम बनाने के लिए साझा अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण, शिक्षा को एक प्रभाव-गुणक के रूप में उपयोग करना, और शुरूआत से ही एआई सिद्धांतों जैसे सुरक्षा, संरक्षा और मजबूती को शामिल करना।

शैक्षणिक सेतु का निर्माण

शिक्षा और प्रतिभा विकास दीर्घकालिक सहयोग की नींव बने हुए हैं। गुप्ता ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर संकेत करते हैं। अमेरिकी सरकार ने आठ अमेरिकी विश्वविद्यालयों को साथ लाकर आईआईटी कानपुर के निर्माण में मदद की। उन विश्वविद्यालयों को शायद कभी पता भी नहीं था कि कानपुर कहां है, लेकिन उन्होंने संपर्क स्थापित किए, वह कहते हैं।

आज, भारत के उभरते एआई संस्थान समान साझेदारियों से लाभ उठा सकते हैं। आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गुवाहाटी सहित कई भारतीय संस्थानों में अब एआई पर केंद्रित स्कूल हैं। इन संस्थानों को अमेरिकी साझेदारों से जोड़ना सहयोग को तेज कर सकता है, गुप्ता कहते हैं। वह जोड़ते हैं कि सहयोग अक्सर जमीनी स्तर से शुरू होता है। लोग सोचते हैं कि सहयोग के लिए बड़ा बजट या उच्च-स्तरीय समझौता चाहिए। लेकिन वास्तव में यह जमीनी स्तर से शुरू होता है, वह समझाते हैं। यदि हाई स्कूल और ग्रेजुएट स्तर के विद्यार्थी इन नए विषयों को सीखना शुरू करते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रतिभा स्त्रोत बन जाते हैं, जैसे आईआईटी बने।

बरुआ प्रतिभा पाइपलाइन और सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों पर जोर देते हैं। द्विपक्षीय कार्यक्रम जो द्वि-राष्ट्रीय टीमों का समर्थन करते हैं और वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालने पर जोर देते हैं, विशेष रूप से प्रभावी होते हैं, वह समझाते हैं। सफल सहयोग में तीन विशेषताएं होती हैंः स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य, कोड, डेटा या बेंचमार्क जैसे साझा संसाधन, और सह-मार्गदर्शन, यात्राओं और नियमित कार्यशालाओं के माध्यम से निरंतर व्यक्तिगत संपर्क।

सफल साझेदारियां अमेरिका की बौद्धिक स्वतंत्रता की संस्कृति से भी लाभान्वित होती हैं, जहां व्यक्ति उम्र या डिग्री की परवाह किए बिना चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं, जिससे सीमाओं के पार नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

प्रभाव और संभावनाएं

एआई का उदय इस सवाल को भी उठाता है कि समाज स्वायत्त प्रणालियों पर नजर कैसे रखे। गुप्ता कहते हैं कि जहां पारंपरिक मशीनें मानव निदेर्शों का पालन करती हैं, वहीं एआई प्रणालियां तेजी से स्वायत्त निर्णय लेने लगी हैं, जिससे संचालन फ्रेमवर्क आवश्यक हो जाते हैं। चूंकि मशीनें केवल भौतिक नियमों का पालन करती हैं, सामाजिक नियमों का नहीं, इसलिए हमें ऐसी संचालन व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी जो एआई का मार्गदर्शन करें, वह कहते हैं। गुप्ता इस बात पर जोर देते हैं कि मानव अनुभव से विकसित कौशल जैसे संचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और शिल्प कौशल मूल्यवान बने रहेंगे। कुछ पारंपरिक कौशल जैसे प्लंबिंग, बढ़ईगीरी और कारीगिरी भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि वे जटिल क्षमताओं पर निर्भर करते हैं, जिन्हें मशीनें अभी तक पूरी तरह से दोहरा नहीं पाई हैं।

नौकरियों को समाप्त करने के बजाय, एआई उत्पादकता को बढ़ाने की संभावना रखता है। एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की उत्पादकता बढ़ा सकता है। उन्हें प्रतिस्थापित करने के बजाय, यह उन्हें कई लोगों के काम करने और पूरी तरह नए उत्पाद व सेवाएं बनाने में सक्षम बना सकता है, गुप्ता बताते हैं। वह अनुमान लगाते हैं कि नवाचार की अगली लहर में चिकित्सा से लेकर डिजिटल सेवाओं तक अत्यधिक व्यक्तिगत उत्पाद शामिल होंगे।

आगे देखते हुए, बरुआ आने वाले दशक में नेतृत्व के लिए तीन आधार रेखाएं बताते हैंः साझा अनुसंधान अवसंरचना, विश्वसनीय एआई के लिए साझा मानक, और मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन। गुप्ता जोड़ते हैं कि जब एआई तकनीक वर्तमान में परिपक्वता में दस में से तीन या चार के स्तर पर है, तो इसकी संभावनाएं अपार हैं। वह कहते हैं, सुविचारित नीतियों और सहयोग के साथ, आगे के अवसर अत्यंत व्यापक हैं।

सूडोकु नवताल- 7760

✶✫✫✫✫ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7759 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

आखिर युद्ध से मिला क्या?

डॉ. सत्यवान सौरभ

दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज कहीं दब-सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है। क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है, या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है? इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है।

युद्ध की शुरूआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बबार्दी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहाँ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव।

युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियाँ हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है, और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है।

हाल के घटनाक्रम यह भी दशार्ते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता।

युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है। जब महाशक्तियाँ किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं।

पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहाँ राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहाँ की परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहाँ होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है।

वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है।

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.00 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.41 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.39 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.08 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.20 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.31 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.46 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.02 बजे से
		मकर	01.07 बजे से
		कुंभ	02.53 बजे से
		मीन	04.26 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 100 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 23.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 11.28 बजे को समाप्त। **योग** शिव 18.31 बजे को समाप्त। **करण** बालव 10.22 बजे तदनन्तर कौलव 23.16 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 52' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872675 **जूलियन दिन** 2461140.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पाकुड़ पुलिस का वारंट निष्पादन अभियान 46 वारंटों का निपटारा

पाकुड़ : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पाकुड़ के निदेर्शानुसार जिले में लंबित वारंटों के निष्पादन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान 7 अप्रैल 2026 की रात 12 बजे से 8 अप्रैल 2026 की रात 12 बजे तक संचालित किया गया। अभियान के दौरान पाकुड़ पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर कुल 46 लंबित वारंटों का निष्पादन किया। इनमें जमानतीय, गैर-जमानतीय, स्थायी (लाल) एवं डिस्ट्रेस वारंट शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने बताया कि वारंट निष्पादन के लिए इस तरह का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

कांग्रेस का प्रखंड स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित

पाकुड़ : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर विधायक निसात आलम द्वारा प्रखंड स्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गुरुवार को सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायत इलामी के ग्राम सिरसाटोला (दक्षिण टोला) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विधायक निसात आलम ने बी.एल.ए एवं बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध एवं सटीक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत यदि किसी भी मतदाता का नाम, पता या अन्य विवरण गलत हो, तो उसे अविलंब सुधारने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे अपने मतदाता सूची में दर्ज विवरण की जांच अवश्य करें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो संबंधित बीएलओ से संपर्क कर उसे शीघ्र ठीक कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला चेयरमैन (सोशल मीडिया) पियारुल इस्लाम, हॉबी शेख, फिरोज शेख, मिर्जहान विश्वास, मुखिया प्रतिनिधि अजमल शेख, युवा प्रखंड अध्यक्ष नसिम आलम, जलालुद्दीन शेख सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

लिट्टीपाड़ा में पति ने पत्नी की हत्या की

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के गांडीपास्ता गांव में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पति ने अपनी पत्नी की निर्ममता से हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेगराम पहाड़िया सुबह करीब 10 बजे गांव के पास स्थित पहाड़ी नाला में मछली पकड़ने गया था। कुछ देर बाद उसने अपनी पत्नी बेदी पहाड़िन को भी वहां बुलाया और अधिक मछली पकड़ने की बात कही। पति के बुलावे पर जैसे ही पत्नी नाले में पानी के अंदर उतरी, उसी दौरान आरोपी ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घबराई महिला अपनी जान बचाने के लिए भागने लगी, लेकिन पहाड़ी रास्ते में फिसलकर गिर पड़ी। इसके बाद आरोपी पति ने उसे पकड़ लिया और साड़ी से उसके हाथ बांध दिए। जमीन पर लिटाकर उसके सिर पर पत्थर से वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अपने दो छोटे बच्चों का हवाला देकर जान की भीख मांगती रही, लेकिन आरोपी ने उसकी एक न सुनी और वार करता रहा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद के कारण घटना को अंजाम देने की बात सामने आ रही है।

जिला समन्वय समिति की हुई बैठक, डीसी ने कानून व्यवस्था एवं अवैध खनन पर सख्ती के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी, मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभागवार प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने हाल के दिनों में कानपुर में मोबाइल चोरी के मामलों में साहेबगंज जिले का नाम सामने आने पर चिंता व्यक्त की। इस संबंध में सतत निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक विशेष कमिटी के गठन का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने जिले में पुलिस बाइक गश्ती को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी थानों में प्रत्येक शनिवार को थाना दिवस का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करते हुए लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर बल दिया। जिला टास्क फोर्स (खनन) की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अवैध खनन एवं निर्धारित क्षेत्र से बाहर खनन के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभी अंचल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत खनन मापी प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित खनन पदाधिकारी को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही 25 अप्रैल तक बिना सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) संचालित ईंट भट्ठों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया। जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा में ह्विट एंड रनह्व मामलों पर गंभीरता से कार्य करने, वाहनों की नियमित जांच एवं चालान अभियान तेज करने तथा गंगा नदी में संचालित नावों के विरुद्ध नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त फॉरेस्ट क्लीयरेंस से संबंधित मामलों में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, डीएसपी व सभी एसडीपीओ और सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

वार्ड 11 में पेयजल संकट, पार्षद निभा देवी ने डीआरएम को सौंपा मांगपत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 में गहराते पेयजल संकट को लेकर वार्ड पार्षद निभा देवी ने मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा को मांगपत्र सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। इस दौरान भाजपा नेत्री मनोरमा देवी भी उनके साथ मौजूद रहीं। सौंपे गए मांगपत्र में पार्षद ने बताया कि वार्ड 11 स्थित रेलवे कॉलोनी में रहने वाले रेल कर्मचारी गंभीर पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। लगभग 1000 रेल कर्मचारियों की इस कॉलोनी में 150 क्वार्टर हैं, जहां कर्मचारी अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल के बैरक में करीब 50 जवान तैनात हैं, जबकि लगभग 20 जवान प्रतिदिन आवागमन करते हैं। इन सभी को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद ने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2013 से ही जिला प्रशासन द्वारा रेलवे कॉलोनी में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में कई बार मंडल रेल प्रबंधक एवं उपायुक्त स्तर पर वार्ता भी हुई थी। तय हुआ था कि रेलवे अपनी भूमि पर जलमीनार, राइजिंग पाइप विस्तार, पेयजल टंकी और पिलर निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देगा, लेकिन एक दशक बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। वर्तमान में रेलवे परिसर में 13 डीप बोरिंग होने के बावजूद गिरते जलस्तर के कारण हर साल गर्मी की शुरूआत में ही पानी की किल्लत उत्पन्न हो जाती है। बीते वर्ष स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करनी पड़ी थी।

बेटी की हत्या में साजिश का आरोप एसपी से मां ने लगाई न्याय की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपनी बेटी की हत्या को लेकर साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता रेखा बीबी, निवासी मोजिद टोला (पूर्वी प्राणपुर), ने आरक्षी अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि उनकी पुत्री संतारा बीबी की शादी करीब 7 वर्ष पूर्व राजमहल थाना क्षेत्र के डकैत टोला निवासी राहुल शेख के साथ हुई थी। दाम्पत्य जीवन से एक 6 वर्षीय पुत्र भी है। रेखा बीबी का आरोप है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके दामाद राहुल शेख का तफीनुर खातुन नामक महिला के साथ अवैध संबंध था, जिसे लेकर कई बार समझाने की कोशिश की गई, लेकिन उल्टे धमकियां दी गईं। पीड़िता के अनुसार, 31 मार्च 2026 की रात करीब 11:30 बजे राहुल शेख उनकी बेटी को गंगा से पानी लाने के बहाने घर से ले गया, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद 2 अप्रैल को गंगा नदी से संतारा बीबी का शव बरामद किया गया। इस संबंध में राधानगर थाना कांड संख्या 102/2026 के तहत राहुल शेख, उसके पिता शाहजहाँ शेख और मां जैगन बीबी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, रेखा बीबी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि इस हत्या में केवल नामजद अभियुक्त ही नहीं, बल्कि तफीनुर खातुन और राहुल शेख के चाचा मुन्ना शेख व हक साहेब शेख भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों द्वारा पहले भी उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपियों के नाम प्राथमिकी में जोड़ते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी 20 टूर्नामेंट शुरू, डीसी ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में गुरुवार से सिदो कान्हू स्टेडियम में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उपायुक्त हेमंत सती ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान डीसी ने कहा कि क्रिकेट टीम भावना के साथ कड़े संघर्ष की सीख देता है। पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जरूरी है। आज खेलकूद में भी कैरियर की असीम संभवना है। खिलाड़ी निचले स्तर पर भी ऐसे प्लेटफार्म को अपनी सफलता का आधार बना सकते हैं। कामयाबी चाहिए तो संघर्ष करना होगा। उद्घाटन मैच राजमहल स्पोर्टिंग क्लब बनाम माही स्पोर्ट्स ब्लू के बीच खेला गया। माही स्पोर्ट्स ने टॉस जीत क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। राजमहल स्पोर्टिंग क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 186 रन का स्कर खड़ा किया। हजरत शेख ने 65 व स्वयं साह ने 33 रन की पारी खेली। माही ब्लू के गेंदबाज मनीष व मिलन ने 2-2 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही ब्ल्यू की टीम 13 ओवर में 68 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मिलन ने 16 व तौसीफ ने 13 रन की पारी खेली। राजमहल स्पोर्टिंग के गेंदबाज जीत व राकेश ने 2-2 विकेट लिए। राजमहल स्पोर्टिंग ने 118 रन से जीत दर्ज की। राजमहल के खिलाड़ी हजरत शेख को मैन ऑफ दी मैच चुना गया। जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने हजरत शेख को पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व तारिक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह कर रहे थे। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, डॉ सुमित, डॉ तुफैल, सतीश सिन्हा, गोपाल चोखानी, संतोष सिंह, मो जाहिद, राकेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, सुरेश साह, अंकित सिन्हा सहित अन्य थे।

तोड़ाई पंचायत में मनरेगा योजनाओं का स्थल निरीक्षण एवं रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड : ज़िले में गुरुवार को परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान द्वारा हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत तोड़ाई पंचायत के विभिन्न ग्रामों में मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बिरसा हरित ग्राम, कूप निर्माण एवं अबुआ आवास सहित अन्य योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया गया तथा एरिया आफिसर एप के माध्यम से कार्यों को कैप्चर किया गया। इस क्रम में एनएमएमएस के तहत फेस ऑथेंटिकेशन किया गया एवं छूटे हुए सक्रिय मजदूरों का ई-केवाईसी भी संपन्न कराया गया। साथ ही पंचायत भवन में साप्ताहिक रोजगार दिवस का आयोजन कर उपस्थित ग्रामीणों एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों के साथ मनरेगा योजनाओं से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें एनएमएमएस फेस ऑथेंटिकेशन, ई-केवाईसी, जॉब कार्ड सत्यापन, बिरसा हरित ग्राम योजना का रख-रखाव एवं 7वां रजिस्टर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी, पंचायत सचिव मीनू कुमारी, मुखिया टेरेसा टुडू, पंचायत सहायक अमर दास, जेएसएलपीएस समन्वयक सुहागिनी मुर्मू सहित विभिन्न ग्रामों की दीदियां एवं जलसहिया दीदी उपस्थित थीं।

5100 कलश के साथ दो किलोमीटर लंबा निकला भव्य कलश शोभा यात्रा, भक्तिमय हुआ पूरा शहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : श्री श्री 1008 लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य शुरूआत गुरुवार को भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ हुआ। पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक काटरगंज की ओर से आयोजित श्री श्री 1008 लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सुबह महायज्ञ परिसर से ढोल नगाड़ा गाजे बाजे घोड़ा ओर रामगढ़ से आए बैंड पार्टी ओर दो रथ में सवार साधु महात्मा संत के साथ 5100 कलश लेकर महिलाएं शामिल हुई। भव्य कलश यात्रा लगभग दो से ढाई किलोमीटर लंबा शहर के पूर्वी फाटक, कॉलेज रोड, कृष्णनगर, बड़तल्ला स्ट्रीट होते हुए फेरी सेवा गंगा घाट पहुंचकर वैदिक मंत्रोचारण के साथ गंगा पूजन व मुख्य जजमान का कलश पूजन कराकर कलश में जल भरकर एसडीओ कोठी रोड सकरूगढ़, पूर्वी फाटक, सुभाष चौक, पुलिस लाइन होते हुए यज्ञ मंडप स्थल पहुंचकर समाप्त हुआ। वही यज्ञ मंडप स्थल में कलश यात्रा में शामिल महिलाओं को शरबत, फल, हलवा पुड़ी खिला पिलाकर विदा किया गया। अयोध्या यूपी से आए यज्ञ संरक्षक महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास शास्त्री जी ने कहा कि कलश यात्रा बड़ा ही दिव्य भव्य था। भगवान की कृपा भी भक्तों के ऊपर बनी रही। शुभ कार्य करने से पहले इंद्रदेव मेहरबान रहे। रथ में सवार साधु संत महात्मा के साथ ढोल नगाड़ा गाजे बाजे घोड़ा के साथ 5100 कलश लेकर महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई। वही गंगा तट पर पुरोहित ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ जजमान को समस्त शहरवासियों जिलेवासियों के सुख समृद्धि शांति के लिए संकल्प कराया। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के महायज्ञ स्थल में कलश लेकर पहुंचने पर सभी को फल, हलवा पुड़ी, शरबत पानी प्रसाद खिलाया गया। डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में यज्ञशाला में पंचांग पूजन, बेदी पूजन ओर अग्निदेव का आह्वाहन करके मंथन के जरिय अग्नि स्थापित करके यज्ञ शुरूवात किया। वही महायज्ञ के अध्यक्ष विमल यादव ने कहा कि शहरवासियों का प्रेम मिला, जिससे कलश यात्रा में सड़कों पर भक्तों का सैलाब उमड़ा, हर तरफ सभी लोग कलश यात्रा का स्वागत किया, शरबत पानी पिलाया। लगभग 13 वर्ष बाद पुनः यज्ञ का आयोजन किया गया है। शहरवासियों सहित जिलावासियों के सुख समृद्धि शांति के लिए ये यज्ञ का आयोजन कराया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी अभ्यर्थियों के लिए तीन दिवसीय पावर रिवीजन कैंप का हुआ आयोजन

पाकुड़ : जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा प्रोजेक्ट प्रयास के अंतर्गत झारखंड लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए जेपीएससी प्रीलिम्स बूस्टर – पावर रिवीजन कैंप का आयोजन किया जा रहा है।यह विशेष 3 दिवसीय सत्र आज दिनांक 09, 10 एवं 11 अप्रैल 2026 को प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से आयोजित होगा। इस मेगा लास्ट-मिनट रिवीजन सत्र का उद्देश्य अभ्यर्थियों को कम समय में अधिकतम तैयारी कराते हुए उन्हें सफलता के लिए तैयार करना है।कार्यक्रम के दौरान अभ्यर्थियों को अंतिम समय की रणनीति, महत्वपूर्ण विषयों का विश्लेषण, संभावित प्रश्न, स्मार्ट रिवीजन तकनीक, अधिक अंक प्राप्त करने के उपाय, सामान्य त्रुटियों से बचाव एवं शॉर्ट ट्रिक्स की जानकारी दी जाएगी। सत्र का मुख्य विषय 14 वीं जेपीएससी परीक्षा हेतु अंतिम समय की तैयारी एवं रणनीति रखा गया है। इस अवसर पर प्रख्यात शिक्षाविद एवं मोटिवेटर अरुण अग्रवाल (निदेशक-उड़ान IAS एकेडमी) द्वारा अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। यह सत्र भगवान बिरसा मुंडा एजुकेशन सेंटर एंड लाइब्रेरी, पोस्ट ऑफिस के समीप, पाकुड़ में आयोजित होगा। उपायुक्त ने जिले के सभी जेपीएससी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे इस पावर रिवीजन कैंप में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसका लाभ उठाएं एवं अपनी तैयारी को अंतिम रूप दें। उन्होंने कहा कि यह सत्र अभ्यर्थियों को सही दिशा, सटीक रणनीति एवं आत्मविश्वास प्रदान करेगा, जिससे वे आगामी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मोबाइल चोरी मामले में यूपी पुलिस का छापा, दो महिला से पूछताछ

साहिबगंज : जिले के उधवा प्रखंड के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत यूपी पुलिस ने मोबाइल चोरी मामले में आलम शेख की तलाश में बुधवार की सुबह छापेमारी की। हालांकि पुलिस को चकमा देकर वह भागने में सफल रहा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान आलम शेख के भागने के बाद पुलिस ने महिला पुलिसकर्मी के साथ उसके घर की तलाशी ली। छानबीन के बाद आलम शेख के पत्नी व बेटी को हिरासत में लेकर थाना पहुंचे। दोनों से फिलहाल पूछताछ की जा रही थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आलम शेख की तलाश में पुलिस अमानत कब्रिस्तान के पास एक मकाई खेत में सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन वह नहीं मिला। चर्चा है कि यूपी पुलिस ने आलम शेख की तलाश में गोलढ़ाब चुआर में भी छापेमारी की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चोरी की इस घटना में आलम शेख के दामाद तीन दिन पहले ही पटना से गिरफ्तार हुआ है। उसकी निशानदेही पर पुलिस यहां छापेमारी की। इस बीच राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि यूपी पुलिस इस घटना में शामिल अधिकांश लोगों को पकड़ लिया है। लेकिन मुख्य आरोपी आलम शेख की तलाश में छापेमारी चल रही है।

बासमती में महिला के घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बासमती गांव से एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है, जहां एक युवक द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है, वहीं ग्रामीणों की तत्परता से आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छक्कुडाढ़ा गांव निवासी नूर इस्लाम बुधवार दोपहर बारमती गांव पहुंचा। वहां उसने एक महिला के घर की चाहरदीवारी फांदकर जबरन प्रवेश किया। घर में अकेली मौजूद महिला के साथ उसने जबरदस्ती करने और उसकी अस्मिता भंग करने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना से घबराई महिला ने शोर मचाना शुरू कर दिया। महिला की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को वहीं दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाना ले आई। पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए गुरुवार को पाकुड़ जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़ी निगरानी और सख्त कदम उठाए जाएं।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर, घर-घर जागरूकता पर जोर

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड के नगर पंचायत वार्ड संख्या 02 स्थित निशा मैरिज हॉल में प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा जन संवाद एवं एसआईआर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरकत खान एवं विशिष्ट अतिथि कमल आर्य उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य झारखंड में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पार्टी कार्यकताओं को जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। अपने संबोधन में बरकत खान ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनकी सक्रियता से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होती है। उन्होंने सभी बीएलए से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया की सही जानकारी दें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे। नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने कार्यकताओं को प्रखंड संवाद एवं पेशा एक्ट की जानकारी देते हुए निर्देश दिया कि वे अभी से मतदाताओं तक पहुंचकर जागरूकता अभियान तेज करें। वहीं, मास्टर ट्रेनर मुरसलीम खान ने एसआईआर प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं, फॉर्म भरने, दस्तावेज जांच एवं त्रुटि सुधार की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पारदर्शिता और सतर्कता के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि मतदाताओं की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

नीमगाछी में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, हजारों की संपत्ति राख

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के नीमगाछी गांव में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। आग लगने से घर में रखे हजारों रुपये के सामान जलकर राख हो गए। बताया जाता है कि घर संतोष बरनवाल का है, जो रोजगार के लिए कोलकाता में रहते हैं। घटना के समय घर पर उनकी पत्नी सुनीता बरनवाल और किरायेदार उमा देवी मौजूद थीं। दोनों ने बताया कि अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगते ही आसपास के ग्रामीण जुट गए और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन घर का काफी सामान जल गया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 931 अंक, निफ्टी 222 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं निफ्टी भी कमजोर रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ के मिले ठेके

नई दिल्ली ।

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा।इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है। प्रीमियर एनर्जीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ठेकों की यह मजबूत आमद विनिर्माण क्षमताओं एवं हमारे प्रौद्योगिकी खाके पर ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

– किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू- 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू- 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

भारत-अमे रिका की आपूर्ति श्रंखलाओं को मजबूत करेगा नया व्यापार सुगमता पोर्टल

नई दिल्ली ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ नया व्यापार सुगमता पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा। मिस्री ने बताया कि यह पोर्टल एक सेतु का कार्य करेगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगा और नए व्यापारिक अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा। पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायियों के लिए सहयोग और संपर्क को सरल बनाना है। विदेश सचिव बुधवार से अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक घटनाक्रम जैसे मध्य पूर्व संकट पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत समेत दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले वर्ष मई में कुछ तनाव देखा गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावों और वाशिंगटन द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क के बाद रिश्तों में गिरावट आई थी।

फरवरी में दोनों देशों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

. मूल्य वृद्धि और स्थिर मांग से बाजार में 10०5 फीसदी की उच्चतम तिमाही वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली

। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसारए चौथी तिमाही में लगभग 10०5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गईए जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी ;5०4दृ5०5 फीसदीद्ध का रहाए जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहाए लगभग 1०7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी. जनवरी में 10०2ए फरवरी में 11 ;शीर्षद्ध और मार्च में 10०1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर हैए बल्कि धीरे.धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वॉल्यूम ग्रोथ और बढ़ती हैए तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव तेल बाजार में फिर उछाल, वैश्विक सप्लाई पर चिंता

स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग

नई दिल्ली ।

सीजफायर के बाद राहत की उम्मीद कर रहे तेल बाजार को नए झटके का सामना करना पड़ा है। एक दिन की गिरावट के बाद ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह अनिश्चितता मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के संचालन को लेकर बनी रही। ब्रेंट क्रूड लगभग 2.86 फीसदी बढ़कर 97.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.56 फीसदी चढ़कर 97.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क 100 डॉलर के नीचे फिसल गए थे, जिसमें डब्ल्यूटीआई ने अप्रैल 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग है।

ईराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसी प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात इसी मार्ग से होते हैं। इसलिए इस मार्ग में किसी भी बाधा से पूरी दुनिया में तेल की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। सीजफायर की घोषणा के बावजूद बुधवार को इस स्ट्रेट से केवल 4 जहाज गुजर पाए। ईरान ने कहा कि वह रोजाना केवल 12 जहाजों को ही गुजरने देगा और टोल वसूलेगा, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे टोल फ्री करने का दावा किया। इस भिन्न रुख से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल का तनाव अब तक के सबसे बड़े तेल संकटों में से एक बन सकता है। पहले यह तनाव कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक ले गया था, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर था। शिपिंग कंपनियां स्पष्टता मिलने तक आवाजाही सामान्य नहीं करेंगी, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

सिग्नेचर ग्लोबल की 2025.26 में बिक्री बुकिंग घटकर 8ए220 करोड़ रही

पिछले साल कंपनी की बिक्री बुकिंग 1.620 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की वित्त वर्ष 2025.26 में बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रही।

वहीं चौथी ;जनवरी.मार्चद्ध तिमाही में बिक्री बुकिंग ;प्री.सेल्सद्ध पांच प्रतिशत घटकर 1ए540 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 1ए620 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025.26 में उसकी बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रह गईए जो 2024.25 में 10ए290 करोड़ रुपये थी। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित आरएमजेड समूह के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक कदम उठाया है। यह संयुक्त उद्यम 18 एकड़ के वाणिज्यिक परियोजना के विकास में करीब 7ए500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे बढ़ते हुए हम विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित रखेंगेए साथ ही उच्च.विकास वाले सूक्ष्म बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे। वित्त वर्ष 2025.26 की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने 12ए500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकिए तीसरी तिमाही के बाद कंपनी ने कहा था कि गुरुग्राम के आवासीय बाजार में मांग नरम पड़ने के कारण वह यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव में अस्थायी राहत के बावजूद सप्लाई संकट से बाजार दबाव में

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल ÷कन्फ्लिक्ट प्रीमियम÷ घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

सीएनजी कारों का जलवा भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार` वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर 47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने`` वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं, जो सालाना 24 फीसदी की बढ़त है। सीएनजी की लोकप्रियता सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रही। बजाज ने दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 लॉन्च की, जबकि टीवीएस ने जूपीटर सीएनजी पर काम शुरू किया है।

सोने का भाव 1129 रुपए टूटा, चांदी में 4068 की गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी में गुरुवार को सोने और चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में नरमी देखने को मिली, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों कमजोर रुख के साथ कारोबार करते नजर आए। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,129 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,51,776 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 776 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,51,452 रुपये का उच्च और 1,50,647 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 4,068 रुपये टूटकर 2,35,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,39,918 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 3,793 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,125 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दिन के दौरान इसने 2,36,187 रुपये का उच्च और 2,35,133 रुपये का निचला स्तर छुआ।

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

– मरीजों के लिए 50 दिन तक मुफ्त रिहैबिलिटेशन सुनिश्चित

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अे धिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। युद्धविराम के बावजूद इजराइल के लेबनान पर बमबारी जारी रखने की स्थिति में ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.03 पर रहा।

संक्षिप्त डायरी

अररिया में युवक की बेरहमी से हत्या, सिर धड़ से किया अलग

पटना (एजेंसी) बिहार के अररिया जिले में दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया गया. पिकअप चालक का सिर धड़ से अलग कर दिया गया. इसके बाद घटना से गुस्साए लोगों ने हत्यारे की जमकर पिटाई कर दी, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. अररिया जिले में फारबिसगंज कृषि बाजार समिति के मेन गेट के पास दिनदहाड़े एक व्यक्ति का सिर धड़ से अलग कर दिया गया. देखते ही देखते घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. मृतक की पहचान जोगबनी के अमोना वार्ड संख्या 21 निवासी अली हुसैन (42 साल) के रूप में हुई है. मृतक ड्राइवर था और हत्या करने वाला युवक सत्तू बेचकर रोजी रोटी कमाता था. युवक की क्यों की गई हत्या? बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह सत्तू बेचने की जगह पर पिकअप लगाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ. इसी विवाद में सत्तू बेचने वाले युवक ने पिकअप चालक अली हुसैन को पहले चाकू से गोद-गोद कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद सिर को धड़ से अलग कर सड़क पर रख दिया. यह देख मौके पर मौजूद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. हत्यारे की पीट-पीटकर हालत गंभीर इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने हत्यारे को भी पकड़कर जमकर पीटाई कर दी. हत्या के आरोपी की भी हालत गंभीर बताई जा रही है. हत्यारे की पहचान रवि चौहान के रूप में हुई है जो कि फारबिसगंज का ही रहने वाला है. घटनास्थल पूरी तरह से पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है. इतना ही नहीं, आस-पास के लोगों के बीच डर का माहौल भी कायम हो गया है.

पटना जू में आएंगे नए मेहमान, सफेद बाघिन से लेकर संगाई हिरण तक बढ़ेगा रोमांच

पटना (एजेंसी) पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान में जल्द ही रौनक और बढ़ने वाली है. एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दिल्ली और रोहतक जू के साथ समझौता फाइनल हो गया है, जिसके बाद कई दुर्लभ और आकर्षक वन्यजीव पटना जू में लाए जाएंगे. पटना का सबसे पसंदीदा पिकनिक स्पॉट ह्यसंजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) की रौनक अब दोगुनी होने वाली है. जल्द ही पटना जू में कई नए और दुर्लभ वन्यजीव दस्तक देने वाले हैं. एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पटना जू ने दिल्ली और हरियाणा के रोहतक जू के साथ एक बड़ा समझौता फाइनल किया है, जिससे यहां सफेद बाघिन और संगाई हिरण जैसे शानदार जीव देखने को मिल सकते है. दिल्ली से आएगा सफेद बाघिन का जोड़ा पटना जू प्रशासन और दिल्ली चिड़ियाघर के बीच हुई इस अदला-बदली में सबसे बड़ा आकर्षण सफेद बाघिन होने वाली है. इसके साथ ही मणिपुर का गौरव माने जाने वाले 6 संगाई हिरण (2 नर और 4 मादा) भी पटना के मेहमान बनेंगे. रोहतक जाएंगे पटना के ये खास जानवर इस अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले वन्यजीव विनिमय के तहत पटना जू भी अपने कुछ बेहतरीन जानवर अन्य शहरों को सौंपेगा. दिल्ली जू को पटना की ओर से 4 इंडियन वुल्फ (भेड़िये), एक सामान्य नर बाघ, 4 घड़ियाल, 2 कॉमन रैट स्नेक और 2 कॉमन बार्न आउल दिए जाएंगे. भेड़ियों की एक जोड़ी हरियाणा के रोहतक जू भेजी जाएगी. इसके बदले में रोहतक से पटना को 2 ग्रीन इगुआना और 2 सिल्वर फिजेंट मिलेंगे. यह एक्सचेंज प्रोग्राम न केवल जू की विविधता बढ़ाएगा, बल्कि विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में भी मदद करेगा. क्यों जरूरी है जानवरों की यह अदला-बदली ? जू प्रशासन के अनुसार, एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के बीच जेनेटिक डाइवर्सिटी को बनाए रखना है. अक्सर एक ही चिड़ियाघर में रहने वाले जानवरों के बीच इनब्रीडिंग की समस्या पैदा हो जाती है,

समस्तीपुर मंडल के स्टेशनों पर लगेगा पैनिक बटन

पटना (एजेंसी) रेल यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए समस्तीपुर मंडल के ए, बी और सी श्रेणी के रेलवे स्टेशनों पर पैनिक इमरजेंसी सिस्टम लगाया जाएगा. इस सिस्टम के जरिए किसी भी खतरे की स्थिति में यात्री या कर्मचारी एक बटन दबाकर तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर सकेंगे. समस्तीपुर रेल मंडल ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी प्रमुख स्टेशनों पर पैनिक इमरजेंसी सिस्टम लगाने का फैसला किया है. अब किसी भी अनहोनी या खतरे की स्थिति में यात्रियों को घबराने की जरूरत नहीं होगी. बस एक बटन दबाते ही स्टेशन पर सायरन गूंज उठेगा और चंद मिनटों में सुरक्षा टीमें मौके पर पहुंच जाएंगी. जानें कैसे काम करेगा यह सिस्टम समस्तीपुर मंडल में सभी श्रेणी के स्टेशनों पर लगाए जा रहे इस पैनिक बटन को विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों के लिए डिजाइन किया गया है. स्टेशन के हर प्लेटफॉर्म और टिकट काउंटर के पास एक चमकदार लाल रंग का बड़ा बटन लगाया जाएगा. यदि किसी यात्री को प्लेटफॉर्म पर कोई संदिग्ध वस्तु दिखती है, कोई अप्रिय घटना होती है या सुरक्षा संबंधी कोई खतरा महसूस होता है, तो वह तुरंत इस बटन को दबा सकेगा. बटन दबते ही पूरे स्टेशन परिसर में एक जोरदार सायरन बजेगा, जो यात्रियों को सतर्क करने के साथ-साथ सीतामढ़ी-दरभंगा समेत इन शहरों की बारी इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहनाने के लिए एक निजी एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है. पहले चरण में सहरसा-मानसी रेलखंड के स्टेशनों पर सिस्टम लगाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो चुका है. दूसरे चरण में सीतामढ़ी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, बापूधाम मोतिहारी और बेतिया जैसे बड़े स्टेशनों को इस सुरक्षा कवच से लैस किया जाएगा. कंट्रोल रूम से होगी लाइव मॉनिटरिंग इस पूरे सिस्टम की सबसे बड़ी खूबी इसकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग है.

बिहार में अब टोपोलैंड का भी किया जाएगा सर्वे

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार अब टोपोलैंड का भी सर्वे कराने की तैयारी में है. डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने सभी जिलों से इसकी रिपोर्ट मांगी है. रिपोर्ट मिलने के बाद टोपोलैंड को लेकर ठोस नीति बनाई जाएगी. बिहार सरकार राज्य के टोपोलैंड को लेकर ठोस नीति बनाने की प्लानिंग कर रही है. ऐसे में अब टोपोलैंड का भी सर्वे कराया जाएगा. बिहार के डिप्टी सीएम सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय सिन्हा ने सभी जिलों के डीएम से रिपोर्ट भी मांग लिया है. ऐसे में टोपोलैंड की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और उस जमीन के उपयोग को लेकर प्लानिंग की जा सकेगी. विजय सिन्हा ने क्या कहा? डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा, विभाग का उद्देश्य विभागीय नियमों-कानूनों को व्यावहारिक, विवादरहित और पारदर्शी बनाना है. इसे लेकर तेजी और गहनता से काम किया जा रहा है. विभाग की ओर से सभी जिलों के डीएम को आदेश जारी कर दिया गया है. टोपोलैंड की डिटेल जानकारी मांगी गई है. राजस्व विभाग के अधिकारियों की होगी बैठक जानकारी के मुताबिक, 10 अप्रैल को विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है. इस बैठक में टोपोलैंड को लेकर चर्चा की जा सकती है. हर जिले की असर्वेक्षित भूमि और बकास्त भूमि की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए है टोपोलैंड का सर्वे कराने से फायदा डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने यह भी कहा कि बिहार सरकार राज्य में जमीन की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के प्रयास में जुटी है. टोपोलैंड का सर्वे होने से फ्यूचर में जमीन के विवादों का समाधान, सरकारी योजनाओं के इंप्लीमेंटेशन और सार्वजनिक उपयोग के लिए जमीन उपलब्ध कराने में सहूलियत मिल सकेगी. क्या होता है टोपोलैंड? टोपोलैंड बिहार में नदियों के मार्ग बदलने से बनी वह असर्वेक्षितजमीन है

बिहार में 'नीतीश युग' का अंत, भाजपा के नेतृत्व में होगी नई शुरूआत; 15 अप्रैल को मिल सकता है नया मुख्यमंत्री

राज्यसभा सदस्य के रूप में कल लेंगे शपथ, बिहार को अगले सप्ताह मिलेगा नया मुख्यमंत्री

पटना (एजेंसी) नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही बिहार में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जहाँ 14 अप्रैल को उनके इस्तीफे के बाद एनडीए विधायक दल नए मुख्यमंत्री का चुनाव करेगा। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के सम्राट चौधरी और नित्यानंद राय समेत कई नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। अगले सप्ताह बिहार को नया मुख्यमंत्री मिलने की संभावना है क्योंकि नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा में जा रहे हैं। वे आज दिल्ली के लिए रवाना होंगे और शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे, जिससे राज्य में सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार शपथ लेने के बाद उसी दिन पटना लौट आएंगे और उनके उत्तराधिकारी पर चर्चा के लिए 13 अप्रैल से बिहार कैबिनेट की बैठक निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री अगले दिन (14 अप्रैल) अपना इस्तीफा दे सकते हैं। उसी दिन, सभी गठबंधन सहयोगियों के साथ-साथ एनडीए विधायक दल की भी बैठकें होने की संभावना है ताकि आगे की रणनीति पर निर्णय लिया जा सके। बिहार के नए मुख्यमंत्री 15 अप्रैल को शपथ ले सकते हैं, शपथ ग्रहण समारोह पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने की संभावना है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कुमार के बेटे निशांत, जो पिछले महीने जेडीयू में शामिल हुए थे, को नई सरकार में संभवतः उपमुख्यमंत्री के रूप में समायोजित किया जा सकता है। नीतीश कुमार के नए पदभार संभालने की तैयारी के बीच, बिहार में अगली सरकार भाजपा के नेतृत्व में बनने की उम्मीद है, जो राज्य विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। कई भाजपा नेताओं के नाम मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों के रूप में सामने आ रहे हैं। इनमें वर्तमान उपमुख्यमंत्री और तारापुर से विधायक सम्राट चौधरी भी शामिल हैं, जिन्होंने आरजेडी के अरुण कुमार को 45,843 वोटों के अंतर से हराकर अपनी सीट जीती थी। गृह राज्य मंत्री और उजियारपुर से लोकसभा सांसद नित्यानंद राय को भी एक मजबूत दावेदार माना जा रहा है। एक और नाम विजय कुमार सिन्हा का है, जो चौधरी के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं और 2010 से बिहार विधानसभा में लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2025 के विधानसभा चुनावों में सीपीआई एमएलए की उम्मीदवार दिव्या गौतम पर 59,079 वोटों से जीत हासिल करने वाले दीघा से विधायक संजीव चौरसिया का नाम भी चर्चा में है। मधुबनी जिले के झंझारपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले और 52,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीतने वाले नीतीश मिश्रा भी एक संभावित उम्मीदवार हैं।

सम्राट चौधरी के पोस्टर को BJP के ही कार्यकर्ताओं ने फाड़ा

पटना (एजेंसी) पटना में बीजेपी ऑफिस के बाहर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का पोस्टर लगाया गया. लेकिन कुछ घंटों के बाद ही बीजेपी के ही कार्यकर्ताओं ने उस पोस्टर को फाड़ दिया. इसे लेकर बिहार के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा, इस पोस्टर से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है. बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से जुड़ा एक पोस्टर बीजेपी ऑफिस के बाहर लगाया गया. इस पोस्टर में सम्राट चौधरी की तस्वीर के साथ लिखा था, ह्यवाल्मीकि समाज संघ की यही पुकार बिहार में हो सम्राट की सरकार. भाजपा को हमने दिया है हर संभव साथ ठेकेदारी प्रथा आपकी सरकार में हो समाप्त. इस पोस्टर को भाजपा नेता राजेश कुमार की ओर से लगाया गया है. के मीडिया प्रभारी ने क्या कहा? इस पोस्टर को बीजेपी ऑफिस के बाहर लगाने के कुछ देर बाद ही फाड़ दिया गया. गौर करने वाली बात यह थी कि बीजेपी के ही कार्यकर्ता और बीजेपी कार्यालय के कर्मचारी ने मिलकर पोस्टर को हटा दिया. इस पूरे मामले पर बिहार के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा, किसने पोस्टर लगाया और किसने फाड़ा, इसके बारे में मुझे नहीं पता.इस पोस्टर को लगाने का उद्देश्य क्या था, इसकी भी जानकारी नहीं. सम्राट चौधरी को सीएम बनाने की मांग पर क्या कहा? दानिश इकबाल ने यह भी कहा कि बीजेपी के कार्यकर्ता ने यह पोस्टर नहीं लगाया. जिन लोगों ने भी पोस्टर लगाया है, उसका बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं है. सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग पर उन्होंने कहा, कौन-क्या मांग कर रहा है इससे फर्क नहीं पड़ता है. बीजेपी बड़ी पार्टी है. कोई भी निर्णय सामूहिक तौर पर लिया जाता है. इसमें किसी कार्यकर्ता का कोई विषय ही नहीं है. पोस्टर फाड़ने की वजह पूछने पर क्या बताया? पोस्टर फाड़ने की वजह दानिश इकबाल ने बताया कि, इतनी बड़ी लोगों की संख्या है. कौन पोस्टर लगा रहा या फाड़ रहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है. आखिर में उन्होंने यह क्लियर कहा कि भाजपा की ओर से या फिर पार्टी के कोई भी कार्यकर्ता इसमें इंवॉल्व नहीं हैं. दूसरी तरफ पहले पोस्टर लगने और उसके बाद फाड़ दिए जाने पर सियासी पारा चढ़ गया है. आगे इस मामले में किस तरह के बयान आते हैं, यह देखने वाली बात होगी.

बिहार के इस सीट पर होगा उपचुनाव, 12 मई को वोटिंग 14 को रिजल्ट, जानें पूरा शेड्यूल

पटना (एजेंसी) भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधान परिषद् की भागलपुर-सह-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है. यह सीट नवंबर 2025 से खाली पड़ी थी, जिसके बाद अब चुनावी प्रक्रिया शुरू होने जा रही है. मतदान 12 मई को होगा और 14 मई को नतीजे सामने आएंगे. बिहार विधान परिषद की एक महत्वपूर्ण सीट पर उपचुनाव की तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है. यह सीट पिछले साल नवंबर से खाली पड़ी थी, ट नवंबर 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में वे संदेश विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए, जिसके बाद 16 नवंबर 2025 से यह सीट रिक्त थी. राधाचरण शाह जुलाई 2015 से ही इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. अब इस सीट पर जो भी नया चेहरा जीतकर आएगा, उसका कार्यकाल 7 अप्रैल 2028 तक रहने वाला है. नामांकन से लेकर नतीजों तक- जानें पूरा शेड्यूल चुनाव आयोग ने इस उपचुनाव के लिए एक विस्तृत समय-सारणी तैयार की है. इसकी शुरूआत 16 अप्रैल 2026 को अधिसूचना जारी होने के साथ होगी. इच्छुक उम्मीदवार 23 अप्रैल तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे. इसके अगले दिन यानी 24 अप्रैल को नामांकन पत्रों की बारीकी से जांच की जाएगी. जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते हैं, उनके लिए 27 अप्रैल की समय सीमा तय की गई है. इसके बाद 12 मई को मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी और 14 मई को मतगणना के बाद नतीजों की घोषणा कर दी जाएगी. आयोग ने निर्देश दिया है कि पूरी चुनावी प्रक्रिया 15 मई तक संपन्न करा ली जाए. आचार संहिता लागू निर्वाचन आयोग की इस घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है

शिक्षक भर्ती परीक्षा में देरी पर बरसे तेजस्वी, बोले- युवाओं के भविष्य का कत्ल कर रही एनडीए सरकार

पटना (एजेंसी) शिक्षक भर्ती परीक्षा ळफए-4 को लेकर बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है. राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर किया. एनडीए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि में हो रही देरी लाखों युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है और सरकार को तुरंत वैकेंसी जारी करनी चाहिए. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजस्वी ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार जानबूझकर वैकेंसी में देरी कर रही है, जो लाखों युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ है. उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि कुर्सी की अदला-बदली के खेल में बिहार के नौजवानों के हक का कत्ल करना बंद किया जाए. तेजस्वी ने गिनाए अपनी सरकार के रिकॉर्ड तेजस्वी यादव ने अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए कहा कि महागठबंधन सरकार के 17 महीनों में उन्होंने शिक्षा विभाग को युद्ध स्तर पर चलाया. उन्होंने दावा किया कि बिना किसी पेपर लीक और पूरी पारदर्शिता के साथ के अंतर्गत रिकॉर्ड 2,20,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए. तेजस्वी का कहना है कि उनके सरकार से हटते ही पेपर लीक की भेंट चढ़ गया और अब का तो अता-पता ही नहीं है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब अगस्त 2024 में ही परीक्षा होनी थी, तो अब तक विज्ञापन क्यों नहीं निकला? उम्र निकल रही है और धैर्य जवाब दे रहा शिक्षक अभ्यर्थियों की चिंताओं को स्वर देते हुए तेजस्वी ने कहा कि बार-बार परीक्षा टलने से कई युवाओं की आवेदन करने की अधिकतम आयु सीमा खत्म हो रही है. उन्होंने कहा कि हर युवा नौकरी पाकर अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाना चाहता है, लेकिन डबल इंजन की सरकार बहानेबाजी में जुटी है. तेजस्वी ने एनडीए सरकार से अपील की है कि राजनीति को किनारे रखकर अविलंब की वैकेंसी जारी की जाए, क्योंकि यह लाखों परिवारों की उम्मीदों का सवाल है. चुनावी वादे और धरातल की हकीकत बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद बनी नई सरकार के लिए शिक्षक भर्ती अब एक बड़ा सिरदर्द बनती जा रही है. एक तरफ जहां विपक्ष इसे झूठे आसमानी वादे करार दे रहा है,दूसरी तरफ लाखों अभ्यर्थी सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं. तेजस्वी यादव ने साफ कर दिया है कि अगर जल्द ही नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो वे इस मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ सड़क से सदन तक बड़ा मोर्चा खोलेंगे.

सहरसा में वैशाली एक्सप्रेस से गिरा युवक, 40 मिनट तड़पता रहा जख्मी, लोग बनाते रहे वीडियो

पटना (एजेंसी) बिहार के सहरसा जिले में वैशाली एक्सप्रेस से गिरकर युवक की मौत हो गई. सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन के पटरी पर लगभग 40 मिनट तक युवक तड़पता रहा. अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया. घटना की सूचना पर युवक के परिजन सहरसा के लिए रवाना हुए. सहरसा में पूर्व मध्य रेलवे के सहरसा-मानसी रेलखंड के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया. सहरसा से दिल्ली जा रही वैशाली एक्सप्रेस से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे में उसके दोनों पैर और एक हाथ कट गया. घायल अवस्था में वह प्लेटफॉर्म संख्या एक के पटरी पर तड़पता रहा, लेकिन काफी देर तक कोई मदद के लिए आगे नहीं आया. कहां का रहने वाला था मृतक? घायल की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना इलाके के बीरपुर पंचायत वार्ड संख्या 12 निवासी अजीत कुमार के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, अजीत सहरसा में एक बर्तन दुकान में काम करता था और गुरुवार को वैशाली एक्सप्रेस से अपने घर मुजफ्फरपुर जा रहा था. इसी दौरान ट्रेन के सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पहुंचते ही वह अचानक ट्रेन से गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मानवता हुई शर्मसार घटना के बाद स्टेशन पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन घायल अजीत करीब 40 मिनट तक पटरी के पास तड़पता रहा. काफी संख्या में लोग मौके पर मौजूद थे, लेकिन किसी ने उसे उठाने या अस्पताल पहुंचाने की हिम्मत नहीं दिखाई. मदद करने के बजाय अधिकतर लोग अपने मोबाइल से वीडियो बनाने में व्यस्त रहे. अंत में कुछ स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए सिमरी बख्तियारपुर अस्पताल को सूचना दी. सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को आनन-फानन में सिमरी बख्तियारपुर अस्पताल ले जाया गया. रास्ते में ही हो गई मौत अस्पताल में डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया. लेकिन सदर अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही अजीत ने दम तोड़ दिया. इस दौरान अनुमंडल अस्पताल में इलाज से भी अस्पताल कर्मी परहेज करते नजर आए. मृतक के परिजन को घटना के बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद वे सहरसा के लिए रवाना हो गए.

निशांत कुमार के अनुभव को तेजप्रताप ने बताया 'जीरो बटा सन्नाटा', तेजस्वी को भी दी नसीहत

पटना (एजेंसी) तेजप्रताप यादव ने बिहार की सियासत में फिर हलचल मचा दी है. उन्होंने नीतीश के बेटे निशांत कुमार के अनुभव पर तंज कसा. तेजप्रताप ने उन्हें जीरो बटा सन्नाटा कहा और अपने भाई तेजस्वी यादव को भी बिहार की छवि खराब न करने की नसीहत दी. लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने एक बार फिर अपने बयानों से राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है. उन्होंने बंगाल चुनाव, बिहार की छवि, निशांत कुमार और अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव तक पर खुलकर प्रतिक्रिया दी. तेजस्वी यादव द्वारा बिहार को गरीब राज्य कहे जाने पर तेजप्रताप ने असहमति जताई. उन्होंने कहा कि राज्य की छवि खराब करना सही नहीं है. उनके मुताबिक, ह्यबिहार हमारा घर है और यहां के लोगों का दिल बड़ा है. बाहर जाकर इसकी बुराई करना ठीक नहीं. हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेजस्वी अब परिपक्व हैं और अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं. निशांत कुमार पर तंज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर तेजप्रताप ने तीखा बयान दिया. उन्होंने कहा कि निशांत राजनीति में नए हैं और उनका अनुभव जीरो बटा सन्नाटा है. हालांकि, उन्होंने सम्मान जताते हुए यह भी कहा कि समय के साथ वे भी सीख जाएंगे. सम्राट चौधरी को समर्थन तेजप्रताप ने सम्राट चौधरी को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया. उन्होंने कहा कि अगर सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वह उनका समर्थन करेंगे. इस बयान ने बिहार की सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है. बंगाल चुनाव और अन्य मुद्दों पर राय उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर काम कर रही है और इस बार चुनाव नहीं लड़ेगी. साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी दल देश की सीमा सुरक्षा और जनता के हित में काम करेगा, उनका समर्थन किया जाएगा. शराबबंदी और समाज पर सवाल बिहार में शराबबंदी को लेकर तेजप्रताप ने सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतिबंध के बावजूद शराब आसानी से मिल रही है. इसके अलावा उन्होंने पटना की बदलती सामाजिक स्थिति पर भी टिप्पणी की, जिससे बहस छिड़ गई है. तेजप्रताप यादव के इन बयानों के बाद बिहार की राजनीति फिर गरमा गई है. उनके बयान न सिर्फ सियासी समीकरणों को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि कई मुद्दों पर नई बहस भी शुरू कर दी है.

बैरिया बस स्टैंड का बदलेगा चेहरा, यात्रियों को मिलेंगी जाम से राहत और फाइव स्टार सुविधाएं

पटना (एजेंसी) पटना के पाटलिपुत्र बस टर्मिनल और उसके आसपास यात्रियों के लिए सुविधाओं में बड़ा बदलाव होने वाला है. प्रशासन ने यहां टेंपो पड़ाव, डॉरमेटरी, बेहतर सड़क और आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई है. इसका उद्देश्य यात्रियों को आरामदायक यात्रा अनुभव देना है पटना के सबसे व्यस्ततम इलाकों में शुमार जीरो माइल और पाटलिपुत्र बस टर्मिनल (बैरिया) की सूरत अब पूरी तरह बदलने वाली है. पटना जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने बस स्टैंड और उसके आसपास के इलाकों के लिए एक ऐसा मास्टर प्लान तैयार किया है, जिससे यात्रियों का सफर न केवल आसान होगा बल्कि उन्हें होटल जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी. मेट्रो की जमीन पर बनेगा हाईटेक ऑटो पड़ाव बस टर्मिनल के ठीक सामने लगने वाले ऑटो के मजमे के कारण अक्सर यहां सड़कों पर पैर रखने की जगह नहीं बचती थी. इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है. बस स्टैंड के बिल्कुल सामने मेट्रो की खाली पड़ी जमीन पर एक विशाल ऑटो पड़ाव बनाया जाएगा. डीएम ने बताया कि इसके लिए पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को पत्र लिखा जा रहा है. इस नए पड़ाव में एक साथ 100 से ज्यादा ऑटो पार्क हो सकेंगे, जिससे मुख्य सड़क पूरी तरह खाली रहेगी और यात्रियों को ऑटो पकड़ने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा. जीरो माइल से टर्मिनल तक चमकेगी सर्विस लेन यात्रियों की एक और बड़ी शिकायत जीरो माइल से बस स्टैंड तक जाने वाली खराब सड़कों को लेकर थी. अब प्रशासन ने फैसला लिया है कि टर्मिनल की ओर जाने वाली दोनों ओर की मुख्य सड़कों के साथ-साथ सर्विस लेन को भी पूरी तरह दुरुस्त किया जाएगा. इस पूरे रूट को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए पटना सदर एसडीओ के नेतृत्व में एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है. यह टास्क फोर्स न केवल अवैध कब्जों को हटाएगी. बस स्टैंड के भीतर मिलेंगी फाइव स्टार सुविधाएं सफर की थकान मिटाने के लिए यात्रियों को अब महंगे होटलों की तलाश नहीं करनी होगी. बुडको द्वारा तैयार की गई डॉरमेटरी को अगले एक से दो सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा. भीषण गर्मी को देखते हुए पूरे परिसर में ठंडे पेयजल की व्यवस्था की जा रही है. यात्रियों की सुविधा के लिए टर्मिनल के भीतर ही बैंक, एटीएम, शानदार रेस्टोरेंट और फास्ट फूड आउटलेट भी जल्द शुरू होने वाले हैं. यात्रियों को सड़क पार करने के लिए अब फुट ओवरब्रिज की सुविधा भी मिलेगी, जिससे सुरक्षा और समय दोनों की बचत होगी.

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।
तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।
लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।
छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अतः जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी = रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स = रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

निंगबो (एजेंसी)। निंगबो, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैंपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है।

यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं : ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्जी से छक्के मारते हैं।

मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े IPL मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजा: 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली।

सूर्यवंशी इससे ज्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर SA20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ IPL के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नजर रख रहे थे।

स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, 'IPL ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है।'

स्मिथ, जो 2008 में पहला IPL जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है। उनका मानना है कि आईपीएल की सफलता का एसए20 के ज़रिए असर पड़ा है, जिसने साउथ अफ्रीका में क्रिकेट को फिर से जिंदा कर दिया है और अनछुए टैलेंट को सामने आने का मौका दिया है।

स्मिथ ने कहा, 'हमारी छह फ्रेंचाइजी एसए20 की ग्रोथ का एक बहुत बड़ा, ज़रूरी हिस्सा हैं। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें हाई क्वालिटी वाली छह आईपीएल टीमें मिलीं, और वे दुनिया के सबसे अनुभवी फ्रेंचाइजी मालिक हैं। वे बहुत कॉम्पिटिटिव हैं, वे जीतना चाहते हैं, और वे कोचिंग से लेकर मेडिकल केयर तक, हर जगह क्रिकेट और बिज़नेस में बेहतरीन काम करते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास शानदार स्काउट्स हैं - उन्हें जो टैलेंट मिलता है वह हमेशा सिस्टम से नहीं आता है। जब आप क्रिकेट इकोसिस्टम को फिर से बनाने और बढ़ाने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो ऐसे पार्टनर होना कमाल की बात है।'

उन्होंने कहा, 'IPL से मुकाबला करना लगभग नामुमकिन है, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि वे हमारे साथ बहुत खुले रहे हैं, और शुरुआती दौर में हमें बड़ी सफलता दिलाने में मदद की है। हम सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है, लेकिन टी20 ग्रोथ फॉर्मेट है। यह खेल में प्राइवेट ओनरशिप ला रहा है और हम अब बहुत ज़्यादा वैल्यूएशन देख रहे हैं। दुनिया भर के लोग क्रिकेट को गंभीरता से ले रहे हैं, इस पर बहुत ज्यादा लोग नजर रख रहे हैं और यह सभी खास मार्केट में बढ़ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले चार से पांच सालों में यह कहाँ तक जा सकता है, जब खेल में प्राइवेट ओनरशिप होगी और 2028 के ओलंपिक आने वाले हैं।'

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना, खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी। वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर-खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइजयों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म-अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे। गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है। गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे।

विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

डॉक्टर की बात नहीं मानी, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली - कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, 'यह काफी कठिन सवाल है। डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद मैने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।' उन्होंने कहा, 'डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो।'

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं।' आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'आप काफी कठिन सवाल पूछ रहे हैं। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं 100 टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो 100 साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।'

राहुल के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज केएल राहुल के अर्धतक के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से हार गयी। इस मैच में राहुल ने 92 रनों की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था पर इसके बाद भी टीम उसका लाभ नहीं ले पायी और उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान 52 गेंदों पर 11 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि इस आक्रामक पारी के बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये रिकार्ड है किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन बनाने के बाद भी उसकी टीम को मिलने वाली हार। इससे पहले ये रिकार्ड आरसीबी के विराट कोहली और मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के नाम है।

अब राहुल भी इस क्लब में शामिल हो गये हैं। राहुल ने मैच में 92 रनों की शानदार पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम हारी। राहुल इसी के साथ आईपीएल में टीम की हार में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। राहुल के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस रंगारंग लीग में अभी तक खेले 153 मैचों में 45.21 की औसत और 136.41 के स्ट्राइक रेट के साथ 5335 रन बनाए हैं। इसमें से 2515 रन टीम की हार में आए। इसका मतलब है कि राहुल के आईपीएल करियर में 47 फीसदी रन तब बने जब उनकी टीम हारी है। वहीं विराट के नाम टीम की हार में भी सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। कोहली ने अपने आईपीएल करियर में 269 मैचों में 8758 रन बनाए हैं, जिसमें से 3731 रन ऐसे हैं जिनके बाद भी उनकी टीम हारी है। वहीं रोहित के 2764 रन तब बने जब टीम हारी है। वहीं शिखर धवन 2768 और डेविड वॉर्नर

के 2768 रनों के बाद भी टीम हारी है। राहुल 2515 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। राहुल शुरुआती दो मैचों में रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत के करीब ला दिया था पर अंतिम ओवरों में डेविड मिलर की एक गलती से मैच टीम के हाथों से फिसल गया।

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराया

पेरिस। पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई। मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2-0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं, लिवरपूल के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह दांव पर लगी है।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस (पूर्व नाम जुटामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता और शानदार शुरुआत की। प्रीति ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा। उन्होंने तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। इसके बाद प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर प्रभावित किया।

इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

झांसी में रूह कंपा देने वाले दोहरे हत्याकांड का खुलासा : गुजरात से लाई गई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, मासूम बेटे को जिंदा जलाया

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल एक शख्स ने अपनी प्रेमिका और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे को गुजरात से झांसी लाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जहां महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, वहीं उसके मासूम बेटे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा महिला की पचान होने के बाद बुधवार को हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना का पता 5 अप्रैल को चला था, जब झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला का शव बरामद हुआ। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि जिस घर के पास महिला का शव मिला, वह चतुर्भुज का है। पुलिस ने चतुर्भुज की पत्नी हेमलता से फोन पर संपर्क किया, जिसने खुलासा किया कि वह दिल्ली में है और उसके पति चतुर्भुज के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज नीलू को अपनी पत्नी की तरह रखता है और उसके साथ उसका तीन साल का बेटा कृष्णा भी रहता है।

यूपी में किडनी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में किडनी तस्करी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट का लेकर खुलासा हुआ है। कानपुर पुलिस को गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले हैं, जिसमें एक में लिवर ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। इस समूह में 700 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें किडनी और लिवर से जुड़े दलाल और आरोपी शामिल हैं। इससे पुलिस का ध्यान अब मानव अंगों की व्यापक तस्करी की ओर बढ़ गया है। किडनी कांड से जुड़े बड़े आरोपी बागपत निवासी परवेज सैफी को हाल ही में जेल भेजा गया। उसके पास से 9.05 लाख बरामद हुए। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना गाजियाबाद का डॉ.रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों के जरिए ऑपरेशन टीम, किडनी एजेंट और अन्य आरोपी सदस्यों से संपर्क करता था। उसकी सभी नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकाली जा रही हैं। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पहले ही टेलीग्राम ग्रुप में किडनी डोनर से जुड़ी जानकारी मिली थी। अब लिवर डोनर वाले तीसरे ग्रुप की पहचान हुई है। गिरोह का दावा है कि वह लोग सिर्फ किडनी ही नहीं, बल्कि लिवर ट्रांसप्लांट भी करवा रहे थे।

फिर सामने आया महबूबा का पाकिस्तान प्रेम...संघर्ष को रुकवाने के लिए दिया धन्यवाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर नई बहस छिड़ गई है, जिसमें पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और वर्तमान सीएम उमर अब्दुल्ला के बयान चर्चा का केंद्र में हैं। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच हालिया तनाव और संघर्षविराम को लेकर दोनों नेताओं ने अलग-अलग बयान दिए हैं। जहां उमर ने कहा कि मौजूदा संघर्ष की असली कुंजी अब भी अमेरिका के हाथ में है। उनका मानना है कि यदि अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इजरायल को नियंत्रित नहीं करता, तब संघर्षविराम लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि यह टकराव ईरान पर थोपा गया है और इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक शक्तियां स्थिति को कैसे संभालती हैं। उमर ने लेबनान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताकर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर संघर्ष और भड़क सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते बयानों की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि इस तरह की अस्थिर भाषा वैश्विक स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा करती है। साथ ही उन्होंने भारत-इजरायल संबंधों पर इशारा कर कहा कि इससे भारत की निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती ने संघर्षविराम को राहत भरा कदम बताया, लेकिन उनके बयान विवाद का कारण बन गए। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने संघर्ष के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, जबकि अमेरिका पर नागरिक ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान की सराहना करते हुए कहा कि उसने दबाव के बावजूद मजबूती दिखाई। सबसे अधिक चर्चा उनके उस बयान पर हो रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। महबूबा के अनुसार, पाकिस्तान ने संघर्ष को विश्व युद्ध में बदलने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिमला में अप्रैल में दिसंबर जैसी ठंडी का अहसास... न्यूनतम तापमान .6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल माह में अभूतपूर्व ठंड दर्ज की गई है, इस दौरान पिछले 23 वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। इससे पहले 22 अप्रैल 2021 को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 2003 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह अप्रैल की सबसे ठंडी रात रही। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के कारण मौसम जनवरी-फरवरी जैसा ठंडा हो गया है। राज्य के तीन शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि कई स्थानों पर यह 5 डिग्री से भी कम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम रहा, जबकि कुछ जगहों पर यह गिरावट 14 डिग्री तक पहुंच गई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, मंडी में 18.7 डिग्री और मनाली में केवल 8.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री तक सीमित रहा। पिछले एक सप्ताह में राज्य में सामान्य से 169 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2 से 8 अप्रैल के बीच जहां सामान्यत: 16 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस असामान्य मौसम ने ठंड को बढ़ाने के साथ-साथ सेब के बगीचों को भी नुकसान पहुंचाया है।

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष दलों द्वारा विभिन्न रचनाएं एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरू आत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मन:पूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया को एक दिन के लिए सदन से निलंबित किया। अध्यक्ष मुन्नालाल ने बताया कि वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं और केंद्र ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इस सभी सरकारी कार्यालयों में गाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद फौजिया वंदे मातरम गाने के दौरान अनुपस्थित रहीं और बाद में सदन में आकर कार्यवाही में बाधा डालने लगीं। जब सदस्य ने उन्हें उस समय उपस्थित रहना चाहिए था, तब उन्होंने गीत के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस बीच, कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हैं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं। उन्होंने कहा कि उस दिन क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। रुबीना ने कहा कि फौजिया बोल रही थीं और मुझे नहीं पता कि उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह वंदे मातरम नहीं गाएंगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन के लिए निष्कासित कर दिया। मैं पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हूं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं, लेकिन आज क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपना राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए, आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता ही असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है। इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का रक्षामंत्री बनने पर दी बधाई, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में नई नियुक्तियों पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बनने पर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वियतनाम के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। वियतनाम की 16वीं राष्ट्रीय सभा ने अपने पहले सत्र के दौरान इसे मंजूरी दी, जो प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के नेतृत्व में 2026-2031 कार्यकाल के लिए नई सरकार का हिस्सा है। यह नियुक्ति 8 अप्रैल को आधिकारिक रूप से घोषित की गई थी। इसी के बाद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जनरल फान वान जियांग के साथ की एक फोटो पोस्ट कर लिखा, 'सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जनरल फान वान जियांग को हार्दिक बधाई। भारत आपके निरंतर नेतृत्व में सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी।'

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे। हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। विवाद की जड़ें पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष में छिपी हैं। करीब एक हफ्ते पहले, आप ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही उन पर संसद में पार्टी कोटे से बोलने पर भी रोक लगा दी गई। पार्टी नेताओं-आतिशी और सौरभ भारद्वाज-ने चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें बीजेपी के प्रति नरम रुख अपनाना, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। आतिशी ने तो सीधे तौर पर सवाल किया कि क्या चड्ढा प्रधानमंत्री मोदी से सवाल करने से डरते हैं? इन आरोपों के बीच राघव चड्ढा ने एक बेहद सांकेतिक संदेश साझा किया। उन्होंने रॉबर्ट ग्रीन की प्रसिद्ध पुस्तक की तस्वीर पोस्ट की, जिसका पहला अध्याय है-'नेवर आउटशाइन द मास्टर (अपने गुरु से अधिक मत चमको)। चड्ढा का यह पलटवार इशारा करता है कि पार्टी के भीतर उनकी बढ़ती लोकप्रियता ही शायद उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का असली कारण है। फिलहाल, चड्ढा ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके दिलचस्प विचार ने यह साफ कर दिया है कि वह खामोश बैठने के मूड में नहीं हैं।

एटली कुमार की मेगा फिल्म 'राका' का एलान, अल्लू अर्जुन के फैंस में उत्साह

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों में शामिल एटली की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक एए22 x ए6 का आधिकारिक टाइटल अब 'राका' हो चुका है और इसका ऐलान आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन के जन्मदिन के मौके पर किया गया है, जिसने एटली और अल्लू अर्जुन के फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। टाइटल रिवील के साथ जारी पोस्टर फिल्म की दुनिया की एक झलक रही है, जो डार्क, इंटेंस और रहस्यमयी विजुअल टोन से भरपूर है। पोस्टर में दिखाए गए क्रिएचर जैसे एलिमेंट्स एक बड़े और अलग सिनेमाई यूनिवर्स की ओर इशारा करते हैं, जो दर्शकों को नया अनुभव देने वाला है। 'राका' एक भव्य फैंटेसी-एक्शन एंटरटेनर है, जिसे खासतौर पर ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है, जिसमें निर्देशक एटली शानदार स्केल, दमदार कहानी और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस फिल्म में अल्लू अर्जुन न सिर्फ एक बिल्कुल नए और पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएँगे, बल्कि यह किरदार उनके अब तक के करियर से अलग और काफी दमदार होगा। फिल्म के निर्देशक एटली कुमार, जो अपने बड़े और अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं, 'राका के जरिए एक ऐसा यूनिवर्स तैयार कर रहे हैं जिसमें फैंटेसी, एक्शन और इमोशन का मेल होगा। इस संदर्भ में एटली कुमार ने कहा, 'राका, सिर्फ एक फिल्म नहीं है हू यह मेरे जीवन का एक हिस्सा है, जिसे मैंने सालों तक संभालकर रखा। 18 साल तक मैंने इस एक आइडिया को जिंदा रखा।

महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान... अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है। इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमान नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं। अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो। साथ ही, बस लेन को इस तरह डिजाइन करना जरूरी है कि उसमें अन्य वाहन प्रवेश न कर सकें। वहीं, दिल्ली में बीआरटीएस का अनुभव असफल रहा, जिसका कारण संकरी सड़कों पर निर्माण, भीड़भाड़ वाले चौराहों पर उचित ढांचे की कमी और कमजोर एनफोर्समेंट था। इन गलतियों से सीख लेकर यदि अन्य शहरों में बेहतर योजना और क्रियान्वयन के साथ बीआरटी सिस्टम लागू किया जाए, तब ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वर पब्लिकेशन्स एलएलपी की ओर से एस एस प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902